राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार,30जुलाई2020 वर्ष-3, अंक -184 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बाबरी मस्जिद ढहाने में राजीव गांधी और नरसिम्हा राव का हाथः ओवैसी

नेशनल डेस्क। राम मंदिर के भूमि पूजन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने से नाराज होने के बाद अब एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। अब उन्होंने बाबरी मस्जिद विध्वंस में कांग्रेस के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों, राजीव गांधी और पीवी नरसिम्हा राव की भूमिका होने का आरोप लगाया है। दरअसल एक ट्वीट में कांग्रेस के कुछ नेताओं के हवाले से लिखा गया कि राम मंदिर भूमि पूजन समारोह भाजपा-आरएसएस का कार्यक्रम है जिसमें शामिल होने का न्योता कांग्रेस के किसी नेता को नहीं दिया गया है। ओवैसी ने इस ट्वीट को रिट्वीट करते हुए लिखा कि हमें उन्हें श्रेय दिया जाना चाहिए जो इसके असली हकदार हैं। आखिरकार राजीव गांधी ने ही तो बाबरी मस्जिद के ताले फिर से खुलवाए थे और बतौर प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने अपनी देखरेख में इसे गिरवाया था। मस्जिद ध्वस्त करने के आंदोलन में कांग्रेस भीतर-भीतर संघ परिवार से मिली हुई थी। मिली हुई थी। वहीं इससे पहले ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच अगस्त को अयोध्या में राममंदिर भूमिपूजन में शामिल होने के लिए वहां जाने को लेकर सवाल उठाते हुए इसे संवैधानिक शपथ का उल्लंघन बताया था।

पीएम मोदी-अमित शाह ने भारत की तकदीर और तस्वीर बदल दीः नड्डा

नेशनल डेस्क। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत कोरोना वायरस के साथ-साथ सीमा पर पाकिस्तान और चीन का भी मजबूती से मुकाबला कर रहा है। आज का भारत पहले वाला भारत नहीं रहा। भारत की इस छवि को दुनिया भी समझ रही है। नड्डा ने नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि कोरोना वायरस के परिणामस्वरूप देश भर में लागू किए गए लॉकडाउन के दौरान भाजपा ने जो सेवा का कार्य किया वह पहले कभी नहीं हुआ। भाजपा अध्यक्ष ने जम्मू एवं कश्मीर से धारा 370 निरस्त करने, तीन तलाक की प्रथा खत्म करने और नागरिकता संशोधन कानून सहित पिछले छह सालों में मोदी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी की ''इच्छाशक्ति और अमित शाह की रणनीति के चलते सफल हुई है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में जो काम हुए हैं, उन्होंने जो देश की तकदीर और तस्वीर बदली है। अंतरराष्ट्रीय दृष्टि से भारत की जो छवि बनी है। आज जब चीन के साथ गतिरोध चल रहा है, तो दुनिया को समझ में आ रहा है कि भारत बदल चुका है। आज हम कोरोना से लड़ रहे हैं। आज हम पाकिस्तान से भी लड़ रहे है और चीन के साथ भी गलवान में गतिरोध में खड़े हैं।

कांग्रेस ने राफेल का भारत में किया स्वागत लेकिन पूछे चार सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को राफेल लड़ाकू विमानों के पहले जत्थे के भारत आने का स्वागत किया और साथ ही यह भी कहा कि हर देशभक्त को यह पूछना चाहिए कि 526 करोड़ रुपये का विमान 1670 करोड़ रुपये में क्यों खरीदा गया। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया, राफेल का भारत में स्वागत ! वायुसेना के जाबांज लड़ाकों को बधाई। उन्होंने कहा, आज हर देशभक्त यह ज़रूर पूछे कि 526 करोड़ रुपये का एक राफेल अब 1670 करोड़ रुपये में क्यों ? 126 राफेल की बजाय 36 राफेल ही क्यों ? मेक इन इंडिया के बजाय मेक इन फ्रांस क्यों ? 5 साल की देरी क्यों ? भारतीय वायु सेना के लिए ऐतिहासिक क्षणों के बीच बुधवार को राफेल लड़ाकू विमानों का पहला जत्था भारत पहुंच गया। फ्रांस से खरीदे गए ये राफेल लड़ाकू विमान अंबाला एयरबेस पर उतरे। भारतीय वायुसेना की आकाश में मारक क्षमता को और पैनापन देने के लिए बुधवार को पांच राफेल लड़ाकू विमान उसके बेड़े में शामिल किये गये। फ्रांस की दसां के साथ नरेंद्र मोदी सरकार ने 36 राफेल विमान खरीदने के लिए 59 हजार करोड़ रुपये का सौदा किया है और पहली खेप के रूप में पांच विमान पहुंचे। दूसरी खेप में पांच और राफेल अगले कुछ महीनों में आ जाएंगे। उम्मीद है कि 2022 तक सभी 36 राफेल भारत को मिल जायेंगे। इन विमानों को वायुसेना की गोल्डन ऐरो 17 स्क्वाड्रन में शामिल किया जाएगा। फ्रांस में पिछले साल अक्टूबर में पहला राफेल भारत को सौंपा गया था और इस समारोह में शामिल होने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह वहां गए थे। राफेल की

पहली खेप को फ्रांस से भारत लाने का नेतृत्व ग्रुप कैप्टन हरकीरत सिंह ने किया है। राफेल वर्तमान दौर में विश्व में सबसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमान माना जाता है।

95 वर्षीय महिला ने कोरोना से जीती जंग

नेशनल डेस्क। उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक नगरी झांसी की रहने वाली 95 वर्षीय मान कुंवर डाक्टरों को डर के मारे बेताल बोलती थीं लेकिन उनके भीतर का डर धीरे-धीरे खत्म हुआ और उन्होंने कोरोना वायरस को मात दे दी। महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कालेज के स्टाफ ने मान कुंवर की किसी भी बात का बुरा नहीं माना। मान कुंवर को झांसी की रानी बुलाने वाले स्टाफ का कहना है कि इस उम्र में अस्पताल के माहौल में ढलने में मरीज को समय लगता है। कोविड-19 अस्पताल के प्रभारी अधीक्षक डा. अंशुल जैन ने बताया कि मान कुंवर शुरू में चिन्तित थीं क्योंकि वह पहली बार अस्पताल आयी थीं लेकिन धीरे धीरे वह माहौल में ढल गयीं। जूनियर डाक्टरों ने मान कुंवर की परिवार वालों से बात करायी, वीडियो कॉल भी करायी। डा. जैन ने बताया कि स्टाफ उन्हें हल्दी दूध और खाना देता था। दूसरे दिन से वह सामान्य हो गयीं। मान कुंवर को जब 19 जुलाई को भर्ती कराया गया था तो उनमें कोरोना वायरस संक्रमण के कोई प्रकट लक्षण नहीं थे लेकिन उनकी रिपोर्ट पाजिटिव आयी थी । उनके पोते ने बताया कि दादी अकसर घर के भीतर ही रहती हैं। कभी कभार ब्लड प्रेशर बढ जाता है अन्यथा उन्हें और कोई दिक्कत नहीं है । ठीक होने के बाद उन्हें 25 जुलाई को अस्पताल से छुट्टी मिल गयी। सरकारी प्रोटोकॉल के अनुरूप उन्हें सात दिन के गृह पृथकवास में रहने को कहा गया है। अस्पताल से बाहर आयीं तो एक महिला रेजीडेंट डाक्टर ने मजाक किया कि अम्मा जी, हम लोग बेताल नहीं हैं। मान कुंवर बोलीं,तुम तो बेटा, परी सी हो। उनके अस्पताल से बाहर निकलने पर चिकित्साकर्मियों और अन्य मरीजों ने ताली बजाकर खुशी का इजहार किया । इस उम्र में कोरोना वायरस संक्रमण से जंग जीतकर सकुशल वापस घर जाना, उनकी उम्र के हजारों अन्य मरीजों के लिए प्रेरणादायी है।

भारत की धरती पर राफेल

भारत की धरती पर राफेल, पीएम मोदी ने संस्कृत के श्लोक से किया स्वागत

नेशनल डेस्क। भारतीय वायु सेना के लिए ऐतिहासिक क्षणों के बीच बुधवार को राफेल लड़ाकू विमानों के पहले जत्थे ने भारतीय वायु क्षेत्र में प्रवेश कर लिया। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक अगल अंदाज में राफेल का स्वागत किया। पीएम मोदी ने संस्कृत के श्लोक में ट्वीट किया कि राष्ट्ररक्षासमं पुण्यं, राष्ट्ररक्षासमं व्रतम्,राष्ट्ररक्षासमं यज्ञो, दृष्टो नैव च नैव च।। नभः स्पृशं दीप्तम्...स्वागतम्! । इसका अर्थ है कि राष्ट्र रक्षा के समान कोई व्रत नहीं है। इस ट्वीट के साथ उन्होंने एक वीडियो भी जारी किया है, जिसमें राफेल भारत की धरती में लैंड होता दिखाई दे रहा है। बता दें कि भारतीय वायुसेना की आकाश में मारक क्षमता को और पैनापन देने के लिए बुधवार को पांच राफेल लड़ाकू विमान उसके बेड़े में शामिल किये गये। फ्रांस की दसां के साथ नरेंद्र मोदी सरकार ने 36 राफेल विमान खरीदने के लिए 59 हजार करोड़ रुपये का सौदा किया है और पहली खेप के रूप में पांच विमान पहुंचे। इन विमानों को वायुसेना की गोल्डन ऐरो 17 स्क्वाड्रन में शामिल किया जाएगा। फ्रांस में पिछले साल अक्टूबर में पहला राफेल भारत को सौंपा गया था और इस समारोह में शामिल होने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह वहां गए थे। राफेल की पहली खेप को फ्रांस से

भारत लाने का नेतृत्व ग्रुप कैप्टन हरकीरत सिंह ने किया है। राफेल वर्तमान दौर में विश्व में सबसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमान माना जाता है।

संक्षिप्त समाचार

ओवैसी के बयान पर भड़के नरेंद्र गिरि, कहा-राम नाम का जाप करें, पिछले सभी पाप कट जाएंगे

प्रयागराज। साधु संतों की सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेन्द्र गिरी ने अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शिरकत करने को लेकर ऑल इंडिया मजलिसे इत्तेहादुल मुसलिमीन (एआईएमआईएम) अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के बयान पर कड़ा एतराज जताते हुए उसे देश को तोड़ने वाला बताया है। गिरी ने कहा कि ओवैसी हमेशा देश के खिलाफ बोलते हैं,आतंकवाद का समर्थन करते हैं और संविधान विरोधी काम करते हैं। महंत ने कहा है कि मोदी देश के प्रधानमंत्री होने के साथ ही एक हिन्दू हैं और सनातन परम्परा को मानने वाले हैं। मोदी एक कर्म योगी हैं और राम के काम में संविधान कभी आड़े नहीं आ सकता है। उन्होंने कहा है कि सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संत परम्परा से आते हैं, जबकि देश के प्रधानमंत्री मोदी कर्म और सद्गृहस्थ संत हैं। इसलिए मंदिर के भूमि पूजन उनसे कराने का सभी साधु संतों के साथ ही पूरा देश स्वागत और समर्थन कर रहा है। महंत नरेन्द्र गिरी ने कहा है कि मोदी और योगी जब भव्य राम मंदिर की आधार शिला रखेंगे तो उसके निर्माण में कोई विघ्न बाधा नहीं आयेगी। उन्होंने ओवैसी को नसीहत देते हुए कहा है कि उन्हें इस विवाद में नहीं पड़ना चाहिए। इसके साथ ही उन्हें भी पांच अगस्त को अपने घर में बैठकर भगवान राम के नाम का जाप करना चाहिए जिससे उनके पिछले सभी पाप खत्म हो जायेंगे क्योंकि भगवान राम ही सभी का कल्याण करते हैं और उनका भी वही कल्याण करेंगे।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर भूमि पूजन से पहले मस्जिद निर्माण के लिए ट्रस्ट की हुई घोषणा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर अयोध्या में आवंटित की गई जमीन पर मस्जिद निर्माण के लिए बुधवार को ट्रस्ट के सदस्यों के नाम घोषित कर दिए। बोर्ड के अध्यक्ष जुफर अहमद फारुकी ने बताया कि बोर्ड ने अयोध्या के धन्नीपुर गांव में आवंटित की गई पांच एकड़ जमीन पर मस्जिद, इंडो इस्लामिक रिसर्च सेंटर, लाइब्रेरी और अस्पताल के निर्माण के लिए इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन नाम से एक ट्रस्ट बनाया है। उन्होंने बताया कि इस ट्रस्ट में कुल नौ सदस्य हैं। बोर्ड खुद इसका संस्थापक ट्रस्टी होगा और बोर्ड के मुख्य अधिशासी अधिकारी इसके पदेन प्रतिनिधि होंगे। फारुकी ने बताया कि इसके अलावा वह खुद इस ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी एवं अध्यक्ष होंगे। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने गत नौ नवंबर को राम जन्मभूमि बाबरी मस्जिद विवाद में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए विवादित स्थल पर राम मंदिर का निर्माण करने और मुसलमानों को मस्जिद के निर्माण के लिए अयोध्या में किसी प्रमुख स्थान पर पांच एकड़ जमीन देने का आदेश दिया था। इसके अनुपालन में अयोध्या जिले की सोहावल तहसील स्थित धन्नीपुर गांव में पांच एकड़ ज़मीन वक्फ बोर्ड को दी गई थी। वक्फ बोर्ड ने उस जमीन पर मस्जिद के साथ-साथ इंडो इस्लामिक रिसर्च सेंटर, अस्पताल और पुस्तकालय बनाने का ऐलान किया था। यह तमाम निर्माण कैसे होगा, इस बारे में फैसला लेने के लिए इस ट्रस्ट का गठन किया जाना था।इस बारे में फैसला लेने के लिए इस ट्रस्ट का गठन किया जाना था।

चिंता की जरुरत नहीं, हमारी सरकार पूरे पांच साल मजबूती से चलेगीः गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा पर राज्य सरकार को अस्थिर करने का षडयंत्र करने का फिर आरोप लगाते हुए कहा है कि केन्द्र सरकार के सहयोग एवं धन बल के सहारे षडयंत्र चल रहा है लेकिन चिंता की जरुरत नहीं हैं और उनकी सरकार पूरे पांच साल मजबूती से चलेगी। गहलोत आज नवनियुक्त प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के पद भार ग्रहण समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार को अस्थिर करने का षडयंत्र चल रहा है। इसमें केन्द्र सरकार सहयोग कर रही है, भाजपा षडयंत्र कर रही और धनबल के सहारे यह सब किया जा रहा है, लेकिन चिंता की जरुरत नहीं है, सरकार स्थिर है। उन्होंने कहा कि विधानसभा बुलाने की मांग तो विपक्ष करता है लेकिन राजस्थान में तो यह मांग सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारे में आगे का मुकाबला करने का दमखम है, हम लोग कोई कसर नहीं छोडेंगे और पूरे पांच साल मजबूती से सरकार चलेगी। उन्होंने वैश्विक महामारी कोरोना में लोगों का जीवन बचाने की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि इसके चलते जहां एक तरफ जीवन का संकट है वहीं भाजपा सरकार गिराने मे लगी है। कोरोना महामारी आने वाले समय में और बढ़ सकती है, जीवन को बचाने का सवाल होता है उसे हम निभा रहे है लेकिन भाजपा सरकार गिराने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है, चाहे 21 दिन हो या 31, जीत हमारी ही होगी। उन्होंने कहा कि राजभवन से छह पेज के पत्र लिख रहे है, सीबीआई, इनकम टैक्स एवं ईडी का दुरुपयोग हो रहा है, छापे के लिए चुन चुन कर नाम दिये गए और छापे डाले गये। कोरोना को लेकर पांच बार वीडियो कांफ्रेंस में प्रधानमंत्री के साथ बैठा हूं और उन्होंने कोरोनो को लेकर राजस्थान की तारीफ की है। गहलोत ने कहा कि यह समझ के परे हैं कि हमारी सरकार को जनता का बहुमत मिला है।

नई शिक्षा नीति को केंद्र की मंजूरी, 34 साल बाद पॉलिसी में हुआ बदलाव

नई दिल्ली। देश में नई शिक्षा नीति लागू होने जा रही है। पीएम मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में नई शिक्षा नीति को मंजूरी मिल गई है। मंत्रालय के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकरी ने बताया कि नीति के मसौदे को मंजूरी मिल गई है। इसमें मौजूदा मंत्रालय का नाम बदलकर शिक्षा मंत्रालय किया जाएगा। नई शिक्षा नीति में घरेलू और स्थानीय भाषा पर जोर दिया गया है। सरकार को जोर हायर एजुकेशन का रजिस्ट्रेशन अनुपात 2035 तक 50 फीसदी तक ले जाना है कक्षा 6 से शुरू होगा वॉकेशनल प्रोग्राम, साथ में होगी इंटर्नशिप, लोकल क्राफ्ट स्टडी पर भी फोकस नई नीति के अध्याय 4 में बताया गया है कि कम से कम क्लास 5 तक की पढ़ाई का माध्यम घरेलू भाषा/मातृभाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा होगा यानी क्लास 5 तक स्कूल में पढ़ाई का मीडिया स्थानीय या क्षेत्रीय भाषा होगी। नई नीति में ये भी कहा गया है कि क्लास 5 के बाद क्लास 8 तक या उससे आगे भी रीजनल लैंग्वेज का यही फॉर्मूला लागू किया जाएगा। उच्च शिक्षा में अब मल्टीपल इंट्री और एग्जिट का विकल्प दिया जाएगा। पांच साल के इंटीग्रेटड कोर्स करने वालों को एमफिल नहीं करना होगा। अब कॉलेजों के एक्रेडिटेशन के आधार पर ऑटोनॉमी दी जाएगी। मेंटरिंग के लिए राष्ट्रीय मिशन चलाया जाएगा। हायर एजुकेशन के लिए एक ही रेग्यूलेटर रहेगा। अभी यूजीसी, एआईसीटीई शामिल हैं। हालांकि इसमें लीगल एवं मेडिकल एजुकेशन को शामिल नहीं किया जाएगा। उच्च शिक्षा में 2035 तक 50 फीसदी त्र्श्वक्र पहुंचने का लक्ष्य है। सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों को लिए शिक्षा मानक समान रहेंगे। नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एनआरएफ) की स्थापना होगी जिससे रिसर्च और इन्नोवेशन को बढ़वा मिलेगा। तकनीकी के माध्यम से दिव्यांगजनों में शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा। ई-कोर्सेस आठ प्रमुख क्षेत्रीय भाषाओं में विकसित किया जाएंगे। नेशनल एजुकेशनल टेक्नोलॉजी फोरम (एनईटीएफ) की स्थापना की जाएगी अर्ली चाइल्डहुड केयर एवं एजुकेशन के लिए कैरिकुलम एनसीईआरटी द्वारा तैयार होगा। इसमें 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए विकसित किया जाएगा। बुनियाद शिक्षा (6 से 9 वर्ष के लिए) के लिए फाउंडेशनल लिट्रेसी एवं न्यूमेरेसी पर नेशनल मिशन शुरु किया जाएगा। पढ़ाई की रुपरेखा 5+3+3+4 के आधार पर तैयारी की जाएगी। इसमें अंतिम 4 वर्ष 9वीं से 12वीं शामिल हैं। नये कौशल (जैसे कोडिंग) का शुरु किया जाएगा। एक्सट्रा कैरिकुलर एक्टिविटीज को मेन कैरिकुलम में शामिल किया जाएगा। गिफ्टेड चिल्ड्रेन एवं गर्ल चाइल्ड के लिए विशेष प्रावधान किया गया है। कक्षा 6 के बाद से ही वोकेशनल को जोड़ जाएगा। नई नेशनल क्यूरिकुलम फ्रेमवर्क तैयार किया जाएगा जिसमें ईसीई, स्कूल, टीचर्स और एडल्ट एजुकेशन को जोड़ा जाएगा। बोर्ड एग्जाम को भाग में बाटा जाएगा। अगर छात्र रिसर्च में जाना चाहते हैं उनके लिए 4 साल का डिग्री प्रोग्राम होगा जबकि जो लोग नौकरी में जाना चाहते हैं ।

बालाकोट एयर स्ट्राइक के मास्टरमाइंड पूर्व एयरचीफ धनोआ बोले- राफेल के आसपास भी नहीं चीन का जे20

नेशनल डेस्क। भारतीय वायुसेना का लंबा इंतजार आखिरकार आज खत्म हो गया। अंबाला एयरबेस पर पांच राफेल फाइटर जेट का बुधवार को स्वागत किया गया। राफेल के भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल होने के साथ ही एयरफोर्स की ताकत अब पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। इस दौरान भारत के पूर्व वायु सेना प्रमुख बीरेंद्र सिंह धनोआ ने राफेल की तारीफ करते हुए कहा कि चीन का छ्व20 इसके आसपास भी नहीं आ सकता है। बालाकोट में आतंकी कैंपों पर एयरस्ट्राइक की रणनीति बनाने वाले पूर्व एयरचीफ ने एक न्यूज चैनल से बात करते हुए कहा कि राफेल अपने टॉप इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट के साथ, विजुअल रेंज बार के मिसाइल और एससीएएलपी हवा से अपने हथियार के साथ जमीन पर मार करने की क्षमता के चलते चीनी एयरफोर्स के हर दुस्साहस को जवाब देने में सक्षम है। धनोआ ने कहा कि चीन के जे-20 की पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान के खतरे को अच्छी तरह से पहचानते हैं। उन्हें पूरा विश्वास है कि भारतीय वायुसेना राफेल और एसयू-30 एमकेआई के साथ खराब स्थिति में भी चीनी वायुसेना के हर चुनौती का मुकाबला करने में सक्षम होगी। धनोआ ने कहा कि राफेल एक गेम चेंजर है।

ट्रिपल तलाक कानून वर्षगांठ से पहले मुस्लिम महिलाओं का वीडियो, बोलीं-'थैंक्स मोदी भाईजान

नेशनल डेस्क। ट्रिपल तलाक (तलाक-ए-बिद्दत) को प्रतिबंधित करने के लिए कानून बनाए जाने के एक साल होने से कुछ दिन पहले, केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने बुधवार को सोशल मीडिया में मुस्लिम महिलाओं के वीडियो शेयर किए जिसमें उन्होंने इस कानून के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद कहा है। उल्लेखनीय है कि 'मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण विधेयक पिछले साल जुलाई में संसद के दोनों सदनों से पारित हुआ था। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इस विधेयक को 1 अगस्त, 2019 को मंजूरी दी थी और इसी के साथ यह कानून अमल में आ गया था। सोशल मीडिया में कई मुस्लिम महिलाओं ने 'थैंक्स मोदी भाईजान हैशटैग से वीडियो शेयर कर इस कानून के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद कहा। नकवी ने बुधवार को अपने ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम पर मुस्लिम महिलाओं के वीडियो शेयर किए। ऐसे ही एक वीडियो कानून बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का शुक्रिया। दिल्ली के लक्ष्मी नगर की शबाना रहमान ने कहा कि तीन तलाक (तलाक-ए-बिद्दत) जैसी कुरीति-कुप्रथा, अपराध को कानूनन जुर्म बनाने के लिए प्रधानमंत्री जी का शुक्रिया। मुस्लिम महिलाएं इस कानून से अपने आप को बहुत सुरक्षित महसूस करती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बाढ़ में घिरे लोग

असम और बिहार में आई बाढ़ ने लाखों लोगों के जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। इन दोनों सूबों से मिल रहे ब्योरे बता रहे हैं कि अकेले असम में 100 से भी अधिक लोग इस कुदरती आपदा में अब तक अपनी जान गंवा चुके हैं, जबकि बिहार के सिर्फ दरभंगा जिले में करीब नौ लाख लोगों को दर-बदर होना पड़ा है। उत्तर बिहार के 11 जिलों में निचले इलाके पूरी तरह जलमग्न हैं, तो असम के 23 जिलों में चारों तरफ पानी ही पानी है। इस कुदरती त्रासदी के शिकार लोगों और इंतजामिया के लिए गहरी चिंता की बात यह भी है कि मौसम विभाग ने आने वाले कुछ दिनों में दोनों राज्यों के कई इलाकों में मूसलाधार बारिश की भविष्यवाणी की है। जाहिर सी बात है कि इन इलाकों में स्थितियां और ज्यादा गंभीर शक्ल अख्तियार करेंगी। यह कोई अचानक पैदा हुई आपदा नहीं है। लगभग हरेक साल असम और बिहार ही नहीं, पूर्वोत्तर के कई राज्यों की विशाल जनसंख्या इस मौसमी कहर का शिकार बनती है। यही वजह है कि इन राज्यों की सरकारें संभावित प्रभावितों की मदद के लिए बाकायदा बजटीय प्रावधान करती रही हैं। लेकिन अच्छी-खासी रकम खर्च करने के बावजूद ऐसा कोई साल नहीं होता, जब कुदरती मार से दुखी लोग सरकारी इंतजामों से संतुष्ट नजर आए हों। आखिर क्यों? इस प्रश्न पर इसलिए भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है, क्योंकि 2004 की सुनामी से हमने काफी अहम सबक सीखा और उसके फौरन बाद ऐसे इंतजामों की शुरुआत हुई, जिनकी बदौलत आज हम चक्रवाती तूफानों के दुष्परिणामों से काफी हद तक अपना बचाव कर ले रहे हैं। लाखों लोगों को बेहद कम वक्त में जोखिम भरे क्षेत्रों से सुरक्षित स्थान पर ले जाया जाता है, और लोग आगे बढ़कर न सिर्फ प्रशासन का सहयोग करते हैं, बल्कि इसके लिए उसका आभार भी जताते हैं। फिर बाढ़ जैसी प्रत्याशित आपदा के प्रबंधन में हम साल-दर-साल क्यों चूक जाते हैं? यह ठीक है कि इसमें नेपाल, चीन की भी एक भूमिका है और उनके द्वारा नदियों में बड़ी मात्रा में छोड़े गए पानी से भी तबाही मचती है। मगर यह कोई ढका-छिपा तथ्य नहीं है और इसकी पृष्ठभूमि में ही प्रबंधकीय कौशल की परीक्षा भी है। इस बार भी राज्य प्रशासन, एनडीआरएफ की टीमें और स्वयंसेवी समूह बचाव व सहायता में जुटे हैं, मगर कई इलाकों से लोगों तक सरकारी मदद नहीं पहुंचने की शिकायतें मिल रही हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि इस साल की स्थिति अधिक जटिल है। देश के अनेक राज्यों की तरह बिहार और असम में कोविड-19 का संक्रमण भी तेजी से फैल रहा है। बिहार में जहां 40 हजार से अधिक लोग इस घातक वायरस की जद में आ चुके हैं, तो असम भी 35 हजार के पास पहुंच गया है। ऐसे में, दोनों सरकारों के लिए दो मोर्चे खुल गए हैं। उन्हें न सिर्फ कोरोना की चुनौती से काफी सावधानी व तत्परता के साथ जूझना है, बल्कि बाढ़ का पानी उतरने के बाद प्रभावित इलाकों में कोई नई महामारी न फैले, इसका भी ख्याल रखना होगा। बहरहाल, यही मौका है कि हर वर्ष बाढ़ से प्रभावित होने वाले ये राज्य केंद्र सरकार के साथ मिलकर एक प्रभावी दीर्घकालिक योजना बनाएं और इस समस्या के ठोस निदान का रास्ता निकालें। बाढ़ग्रस्त इलाकों के लोगों को एक स्थाई शोक से मुक्ति दिलाने में देश को एकजुट प्रयास करने की जरूरत है।

आज के ट्वीट

प्रचार प्रसार का माध्यम

जिस तरह का आतंकवाद कश्मीर में पनपा उससे भी ज्यादा घातक आतंकवाद बॉलीवुड में पैठ बना चुका है, दोनों जगह मकशद एक ही है, कश्मीर को इस्लामिक राज्य बनाना और बॉलीवुड को इस्लाम के प्रचार प्रसार का माध्यम बनाना एक सर्जिकल स्ट्राइक की जरूरत बॉलीवुड में भी है.

-- अर्णव गोस्वामी

ऑक्सफोर्ड के टीके से उम्मीदें व चुनौतियां

प्रीतम सिंह

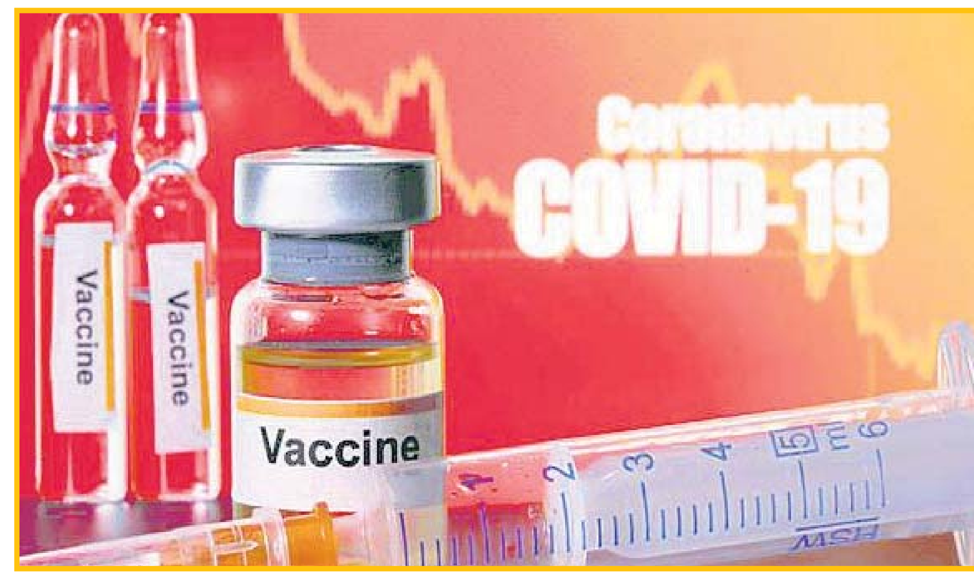

लैंसेट नामक मेडिकल प्रकाशन ने अपने नवीनतम अंक में बताया है कि ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी को कोविड-19 का प्रतिरोधक टीका विकसित करने के सिलसिले में पहले चरण के क्लीनिकल परीक्षणों में आशातीत सफलता प्राप्त हुई है। दुनियाभर में इस खबर से उम्मीद जगना एकदम जायज है कि अब इस दवा से कोविड-19 वायरस से लड़ने में मदद मिलेगी। बेशक यह सबके लिए खुशी भरी खबर है लेकिन जश्न मनाने से पहले सावधानीवश रुकना होगा, हालांकि इतना आशान्वित होने के पीछे कारण यह है कि परीक्षण से जुड़े कई पहलुओं पर परिणाम उत्साहवर्धक रहे हैं। अनुसंधान में पूर्ण लगन और समर्पित होकर लगे तमाम साइंसदानों-कर्मियों के अलावा वे स्वयंसेवी जिन्होंने खुद को परीक्षण के लिए पेश किया है, प्रशंसा के पात्र हैं। कुछ स्वयंसेवक खुद विज्ञान और मेडिकल बिरादरी से हैं, जिन्होंने अपने व्यवसाय की पुराने जमाने से चली आ रही उस पवित्र परिपाटी को कायम रखा है, जिसके तहत अनुसंधानकर्ता और मेडिकल कर्मी यह जानने के बावजूद कि स्वास्थ्य संबंधी खासा जोखिम बन सकता है, नई दवा के परीक्षण खुद पर करते हैं। ऐसी एक नर्स जिसने खुद को बतौर परीक्षण स्वयंसेवी प्रस्तुत किया है, का कहना है कि मरीजों की तकलीफ देखने के बाद मुझे महसूस हुआ कि इस महामारी से लड़ाई में अपना निजी योगदान देने को जिंदगी का अर्थ बना लिया है। कोविड-19 से युद्ध का एक अन्य अतिश्लाघापूर्ण पहलू यह है कि दीगर देशों के बीच जारी अनेकानेक भू-राजनीतिक एवं व्यापारिक तनावों के बावजूद दवा अनुसंधान पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग कायम रहा है। यूके, अमेरिका, चीन और भारत के साइंसदान इसका तोड़ निकालने के लिए निरंतर संपर्क में हैं। बहुत से देशों के राजनीतिक नेतृत्व ने प्रतिरोधी दवा के मामले में संकुचित राष्ट्रवाद दिखाया है। मसलन सबसे पहले वे अपने नागरिकों के लिए टीका विकसित करने को कह रहे हैं। जबकि वैज्ञानिक बिरादरी इस संकुचित राजनीतिक सोच से ऊपर उठी हुई है । यूरोपियन यूनियन से पलायन के मुद्दे पर यूके में चली बहस के दौरान कई राजनेता जो इसके हक में थे, उस वक्त उन्होंने उन 'विशेषज्ञों' की भर्त्सना की थी, जिन्होंने यूनियन से किनारा करने के बाद पैदा होने वाले संभावित विपरीत नतीजों के बारे में चेताया था। लेकिन महामारी में उन्हीं राजनेताओं को मुंह की खानी पड़ी है और वे लॉकडाउन से लेकर सामाजिक दूरी बनाने जैसी उन तमाम सलाहों की ताईद करते और अमल में लाने पर जोर देते दिखाई दिए, जो वही 'विशेषज्ञ' सुझा रहे हैं। कम-से-कम यूके में एक व्यवसाय ऐसा है, जिसने सबसे ज्यादा सामाजिक इज्जत कमाई है तो वह है मेडिकल पेशा-डॉक्टर-नर्सें और सामाजिक देखभाल कर्मी। दुर्भाग्यवश भारत से आई खबरें बताती हैं कि मेडिकल व्यवसाय, खासकर निजी क्षेत्र का, की साख जनता में और नीचे गिरी है क्योंकि इनमें कई इस मुसीबत की घड़ी में भी मुनाफाखोरी और अनैतिक तौर-तरीकों में लिप्त हैं। अन्य जगहों पर हो रहे परीक्षणों के बनिस्पत ऑक्सफोर्ड के अनुसंधान को मिली सफलता के पीछे कुछ हाथ पिछले दिनों रही विरोधाभासी प्रक्रियाओं का भी रहा है। चूंकि बाकी जगहों पर, जहां-जहां लॉकडाउन हुआ, इससे वहां कोरोना वायरस के फैलाव को सीमित करने और जानें बचाने में मदद तो जरूर मिली है परंतु टीके के परीक्षण के लिए जरूरी त्वरित आवागमन में रुकावटें भी खड़ी हो गई थीं, जिससे अनुसंधान प्रक्रिया में विलंब आना स्वभाविक था। कोविड-19 के इलाज हेतु एक सुरक्षित और कारगर दवा बन गई है, लेकिन प्रामाणिक नतीजे पर पहुंचने से पहले इसे कई अन्य परीक्षण चरणों को पार करना जरूरी है। ऑक्सफोर्ड परीक्षण बताता है कि जिन 1000 स्वयंसेवियों पर दवा का प्रयोगात्मक प्रारूप इस्तेमाल किया गया है, उनके अंदर कोविड-19 के प्रति तगड़ी रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता पैदा हो गई है। जिन लोगों ने पहले चरण के प्रयोग-परीक्षणों में भाग लिया था, उनकी उम्र 18 से 55 के बीच थी। तो सवाल उठता है कि क्या यह उन लोगों पर भी कारगर रहेगा, जिनकी उम्र 55 साल से अधिक या 18 साल से कम है? दुनियाभर में जो लोग कोरोना की वजह से मर रहे हैं, उनका आंकड़ा बताता है कि जिनकी उम्र 65 साल से अधिक है, उन्हें सबसे ज्यादा खतरा है। प्रयोग के अगले स्तर में स्वैच्छिक स्वयंसेवियों के दो और वर्गों को जोड़ा गया है, एक है 56 से 69 वर्षीय और दूसरे हैं 70 साल से अधिक। हालांकि ध्येय है कि कोविड-19 रोधी टीका संक्रमण से बचाव करेगा, किंतु यह भी माना जा रहा है कि हो सकता है अंतिम परिणाम मध्यम प्रभाव वाला हो। यानी केवल बीमारी की तीव्रता को कम कर पाए। टीके का असर कब तक बना रहेगा और कब जाकर बूस्टर खुराक की जरूरत पड़ेगी, यह अभी पक्का नहीं है। खोजी गई दवा का अगला परीक्षण काफी महत्व रखता है और यह ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका में शुरू हो चुका है, जहां संक्रमण दर बहुत ऊंची है। जहां एक ओर कोविड-19 प्रतिरोधी टीका विकसित करने में इस संभावना का बने रहना कि आखिर में यह निरापद और कारगर होगा भी या नहीं या फिर केवल आंशिक तौर पर ही प्रभावशाली हो पाएगा, वहीं दूसरी ओर एक बहुत बड़ी चुनौती है कोविड-19 से संक्रमित हुए मौजूदा मरीजों को ठीक करने वाली दवा खोजना। इस दिशा में कुछ सफलता मिली है लेकिन लगता है कि प्रतिरोधी टीका बनाने की एवज में ठीक करने वाली दवा पर ध्यान कम दिया जा रहा है। फिर प्रतिरोधी टीके की कीमत को लेकर बात नहीं हो रही है। एक सुरक्षित और प्रभावशाली टीके का असली फायदा तभी होगा जब यह दुनियाभर में उपलब्ध हो, जिसके लिए उत्पादन का राजनीतिक गुणा-भाग, मूल्य निर्धारण, विपणन और उपलब्धतता की भूमिका होगी। सबसे ज्यादा महत्व की बात है कि हर तरफ जनस्वास्थ्य तंत्र की स्थापना की जाए ताकि टीका दुनियाभर में मिल सके। ध्यान रहे कि संक्रमण का मूल कारण गैर-मनुष्य प्रजातियों के बसने वाली जगहों पर हम इनसानों का अतिक्रमण करना है, जिससे कि पशु-पक्षियों-प्राणियों से नजदीकी संपर्क बनने के कारण उनमें पल रहे विषाणु मनुष्यों में दाखिल हो जाते हैं। अगर यह प्रक्रिया ऐसे ही अनियंत्रित या अव्यवस्थित रही तो आगे भी हमेशा के लिए नए-नए वायरस और ज्यादा खतरनाक रूप में हमें झेलने को मिलेंगे। कोविड-19 ने विश्वभर में सबसे बड़ा स्वास्थ्य एवं आर्थिक संकट पैदा कर दिया है, जिसके कारण अभूतपूर्व स्तर पर बेरोजगारी बन गई है। उपरोक्त दोनों मुसीबतें जैव-विविधता में हानि से आसन्न पर्यावरणीय संकट पैदा होने की वजह से आपस में गुंथी हैं और वैश्विक महामारी का मुख्य कारण हैं। प्रतिरोधक टीका ढूंढ़ने पर तुरंत ध्यान देना बेशक आज की सबसे बड़ी जरूरत है लेकिन पूंजीवादी व्यवस्था का सामाजिक-आर्थिक विकल्प पैदा करने वाले शुचितापूर्ण तरीके से ही पर्यावरणीय सुरक्षा को सतत बनाया जा सकेगा ताकि मुनष्य और समस्त गैर-इनसानी प्रजातियों की भलाई सुनिश्चित हो सके।

लेखक बुल्फसन कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड में विजिटिंग प्रोफेसर हैं।

ज्ञान गंगा

जुड़ाव

सद्गुरु

अगर तार्किक रूप से देखा जाए तो किसी चीज से अपनी पहचान न बनाने का मतलब है कि आपके और आपके काम बीच एक दूरी है। लेकिन पहचान नहीं बनाने का मतलब उसके साथ जुड़ाव न रखना नहीं है। दरअसल, जब आप कोई पहचान नहीं रखते तो आप सजग रूप से खुद को जोड़ सकते हैं। अगर आप अपने जीवन की हर स्थिति में खुद को झोंक नहीं देते, तो इसकी सिर्फ एक वजह है कि आपने अपनी पहचान बहुत गहरी बना रखी है। आप अपने स्वार्थ की वजह से खुद को पूरी तरह से समर्पित नहीं कर सकते हैं, लेकिन जब आप चीजों से अपनी पहचान नहीं बनाते तो फिर आप पूरी तरह से किसी चीज से जुड़ सकते हैं, लेकिन जब आप चीजों से पहचान बनाते हैं, और फिर किसी चीज से जुड़ना चाहें तो हर बार आपका जुड़ाव आपसे सवाल करता है कि आप जो हैं, उसका क्या होगा? जब चीजें वैसे नहीं होतीं, जैसा आप सोचते हैं तो आपकी पहचान खतरे में आ जाती है और तब वह स्थिति आपके लिए बेहद असुरक्षित व डरावनी हो उठती है। आप खुद को जीवन के साथ सचमुच तभी जोड़ पाएंगे, जब आप इससे अपनी पहचान स्थापित नहीं करेंगे। मान लीजिए मेरे किसी रिश्तेदार के साथ कुछ गलत हो गया। ऐसे में हो सकता है कि मुझे वहां जाना पड़े और उनकी कुछ मदद करनी पड़े, लेकिन अगर मैं उस स्थिति से प्रभावित नहीं होता हूं तो क्या आपको लगता है कि मैं वहां जाकर वह सब कर पाऊंगा, जिसकी वहां जरूरत होगी? मान लीजिए आपके प्रियजन के साथ कुछ घटित हुआ और आपने उनके साथ अपनी पहचान बनाकर नहीं रखी है, तब भी आप अपनी तरफ से हर चीज अपनी पूरी क्षमता के साथ करेंगे। क्योंकि आपकी पहचान स्थापित न होने का मतलब यह नहीं है कि आप का प्रेम, आपका लगाव सबकुछ चला गया, लेकिन अगर आपने अपनी पहचान बनाई होगी, तो आप शायद सो नहीं पाएंगे, खा नहीं पाएंगे। अब आप ही बताइए कि अगर आपके सामने ऐसी स्थिति आए कि आपके आसपास किसी के साथ कुछ गलत घटित हो जाए और उस समय उन्हें आपकी जरूरत हो, तो वहां होने का सबसे अच्छा तरीका कौन सा होगा? वहां अपने होशोहवास व संतुलन को पूरी तरह से बनाए रखते हुए मौजूद होना या फिर अपना संतुलन खोकर वहां रहना-दोनों में से बेहतर क्या होगा?

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जारी प्रयास सार्थक होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। गृह सुख में कमी रहेगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक योजनायें सफल होंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। उदर विकार या नेत्र विकार की संभावना है। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

कन्या पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक परिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

मकर आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

अभिनव पहल से दूर होंगे शैक्षणिक संकट

कोरोना काल में शिक्षा

ऐसे समय में जब खबरों की दुनिया चीन युद्ध की आशंका, कोरोना वैक्सीन ट्रायल, राजस्थान के सियासी संकट या श्रीराम मंदिर भूमि पूजन के ही इर्दगिर्द घूम रही हो, किसी टीचर का बैलगाड़ी से स्कूल किताबें पहुंचाना अच्छी खबर है। ऐसे दौर में जहां शिक्षा एक व्यवसाय बन चुकी हो वहां मध्य प्रदेश के रायसेन की ये घटना बेमिसाल है। टीचर नीरज सक्सेना सालेगढ़ गांव के प्राथमिक स्कूल में बतौर टीचर कार्यरत हैं। वे जंगल के रास्ते छात्रों के लिए बैलगाड़ी से किताबें लेकर स्कूल पहुंचे। उन्होंने सरकार द्वारा भेजी गई किताबों को स्कूल खुलने से पहले ही स्कूल में पहुंचाने की ठानी। रायसेन जिले के ईंटखेड़ी संकुल केन्द्र से सरकारी किताबें बैलगाड़ी पर लादीं और फिर 5 किलोमीटर दूर सालेगढ़ पाठशाला तक पहुंचाईं। गांव तक जाने के लिए कोई पक्का रास्ता नहीं है। बारिश में कच्चा रास्ता भी खराब हो जाता है। ऐसे में कोई वाहन नहीं गुजर पाता। इसलिए उन्होंने बैलगाड़ी के जरिए किताबों को स्कूल तक पहुंचाया। वे इस बात से चिंतित थे कि कोरोना के कारण स्कूल बंद होने से बच्चों की पढ़ाई पहले ही प्रभावित हो चुकी है। ऐसे में अब जब भी स्कूल खुलेंगे तो बच्चों को तुरंत किताबें मिल जाएंगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक गुणवत्ता में कमी के चलते बच्चे ऊंची कक्षा में जा तो रहे हैं लेकिन उनकी जानकारी या शिक्षा का स्तर उनकी वर्तमान कक्षा से कई कक्षा नीचे है। राज्य में 1 लाख 42 हजार 512 आरंभिक स्कूल हैं जबकि प्राथमिक स्कूल (कक्षा एक से पांच) की संख्या 89 हजार 119 और उच्च प्राथमिक स्कूल (कक्षा 6 से 8) की संख्या 47 हजार 47 है। राज्य में शिक्षा की स्थिति का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बच्चों में जानकारी या ज्ञान का स्तर बहुत ही कम है। कई स्कूल ऐसे हैं जहां शिक्षक या तो हैं ही नहीं या फिर वहां शिक्षकों की भारी कमी है। शिक्षा के अधिकार कानून के मुताबिक प्राथमिक स्तर के स्कूलों में कम से कम दो और उच्च प्राथमिक स्कूलों में कम से कम तीन शिक्षक जरूर होने चाहिए। लेकिन कई स्कूलों में यह संख्या भी मौजूद नहीं है। मध्य प्रदेश के हजारों सरकारी स्कूल भवनविहीन हैं। 22 हजार स्कूल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। स्कूलों में पर्याप्त कमरे नहीं होने से एक ही कमरे में कई कक्षाएं लगाई जा रही हैं। दिलचस्प बात तो ये है कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए विभाग के अधिकारी लगातार देश-विदेश के दौरे करते रहे हैं। पिछले साल शिक्षा विभाग के मंत्री सहित करीब 200 अधिकारी और प्राचार्य दक्षिण कोरिया के दौरे पर जा चुके हैं, जिसमें करोड़ों रुपए खर्च किए गए। ऐसे में एक टीचर का बैलगाड़ी से स्कूल तक किताबें पहुंचाना सकरात्मक कदम तो है ही। वह भी वहां, जहां कोरोना के दौर में डिजिटल पढ़ाई भी का कोई विकल्प न हो। शिक्षा क्षेत्र कोरोना के कारण पहले ही काफी प्रभावित हुआ है। आने वाले समय में शिक्षा महकमे के सामने इस नुकसान से उबरना आसान नहीं होगा। लॉकडाउन होने से सबसे पहले जो संस्थान बंद किए गए, वे स्कूल, कॉलेज ही थे। ये सुरक्षा के नजरिए से सराहनीय कदम था। ऐसे में डिजिटल शिक्षा किसी वरदान से कम नहीं है। ऑनलाइन शिक्षा विकल्प को अपनाने के सिवाय इस समय कोई विकल्प भी नहीं है। लेकिन क्या ये सब तक सुलभ है? सवाल खड़ा होना लाजिमी है क्योंकि देश के दूरदराज इलाकों खासकर पहाड़ों पर जहां कॉल करने तक का सिग्नल नहीं होता है, ऐसे में इंटरनेट स्पीड के लिए सिग्नल होना सपने से कम नहीं है। कई परिवार ऐसे हैं जिनके पास मोबाइल फोन नहीं हैं। किसी के पास है तो उनके घर में पढ़ने वाले दो हैं। रायसेन के नीरज सक्सेना जैसे टीचरों ने ही उन जगहों पर शिक्षा का अलख जगाया है जहां बच्चे स्कूल जाना तो दूर किताब तक देखना नहीं चाहते थे।

स्कूलों में दाखिला लेने वाले चालीस फीसदी बच्चे स्कूली स्तर की शिक्षा पूरी नहीं कर पाते। महाविद्यालय स्तर में दाखिला लेने वाले हर तीन छात्रों में से एक बीच में ही पढ़ाई छोड़ देता है। स्कूलों में सीखना तब तक वास्तविकता का रूप नहीं ले सकता जब तक हम ये मानते रहें कि बच्चों को यह बताना हमारा कर्तव्य और अधिकार है कि उन्हें क्या सीखना चाहिए। यह तो केवल बच्चा स्वयं ही तय कर सकता है। शिक्षा किसी भी देश के लिये उसकी विरासत, यानी महज़ पढ़ना-लिखना या साक्षर होना भर नहीं है बल्कि यह व्यक्ति के लिये बौद्धिक विकास के मौके प्रदान करने का एक माध्यम है। शिक्षा का अर्थ यह नहीं कि मनुष्य उन वस्तुओं का ज्ञान हासिल करे, जिनका उसे ज्ञान नहीं है बल्कि उसका अर्थ है, उसको वैसा व्यवहार करने की शिक्षा देना, जैसा कि वह नहीं करता।

जेट एयरवेज का घाटा 2018-19 में बढ़कर 5,536 करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली। दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत पहुंची जेट एयरवेज का घाटा मार्च 2019 को समाप्त वित्त वर्ष में और बढ़कर 5,535.75 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी का खर्च बढ़ने से उसका घाटा बढ़ा है। पूर्ण विमानन सेवाएं देने वाली जेट एयरवेज के विमानों की उड़ाने पिछले साल अप्रैल से बंद हैं। कंपनी का एकल घाटा 766.13 करोड़ रुपए रहा था। यह एकल आधार पर हुए वृहद घाटे के आंकड़े हैं। वर्ष 2018-19 में एयरलाइन की कुल आय एक साल पहले के मुकाबले घटकर 23,314.11 करोड़ रुपए रह गई। वहीं इससे पिछले साल कंपनी ने 23,958.37 करोड़ रुपए का कारोबार किया। एक नियामकीय सूचना में यह कहा गया है। इस दौरान ईंधन के दाम बढ़ने से कंपनी का कुल खर्च बढ़ता हुआ 28,141.61 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। पिछले साल अप्रैल में परिचालन बंद करने के बाद कंपनी जून 2019 में कार्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत चली गई। विमानन कंपनी के वित्तीय लेखा जोखा पर कंपनी के समाधान पेशेवर अशीष छावछरिया के हस्ताक्षर हैं। नियामकीय सूचना में छावछरिया ने यह भी कहा है कि वह कंपनी के एकीकृत वित्तीय परिणाम उपलब्ध कराने की स्थिति में नहीं है। कंपनी की अनुषंगी कंपनियां अलग इकाई हैं और वर्तमान में परिचालन में भी नहीं है। ऐसे में इन अनुषंगी कंपनियों से संबंधित आंकड़े प्राप्त करने में बहुत मुश्किलें आ रहीं हैं। जेट एयरवेज के वर्ष 2018-19 के वित्तीय परिणाम मंगलवार की रात को शेयर बाजारों को उपलब्ध करा दिए गए।

'हवाई यात्रा क्षेत्र में 2024 से पहले सुधार के संकेत नहीं

जर्मनी । वैश्विक स्तर पर हवाई यात्रा क्षेत्र धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा है लेकिन इसके 2024 से पहले कोविड-19 संकट से पहले के स्तर पर पहुंचने के आसार नहीं लगते। विमानन कंपनियों के वैश्विक संगठन 'इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) ने मंगलवार को यह बात कही। अमेरिका और अन्य विकासशील देशों के कोरोना वायरस संक्रमण रोकथाम की धीमी गति को देखते हुए आईएटीए ने कोविड से पूर्व की स्थिति बहाल होने के अनुमानित समय को एक साल बढ़ा दिया है। पहले उसने 2023 तक हवाई यात्रा क्षेत्र के कोविड-19 से पहले के स्तर तक पहुंचने का अनुमान जताया था। आईएटीए के मुख्य अर्थशास्त्री ब्रायन पीयर्स ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अप्रैल में यातायात बंद होने से यह उद्योग बैठ गया था। यह उद्योग फिर से चालू होता दिख रहा है लेकिन बुरी बात है कि इसमें किसी भी तरह का सुधार बमुश्किल ही दिख रहा है। यह उद्योग फिर से चालू होता दिख रहा है लेकिन बुरी बात है कि इसमें किसी भी तरह का सुधार बमुश्किल ही दिख रहा है।

सेनको गोल्ड के चेयरमैन शंकर सेन का कोविड-19 से निधन

कोलकाता। आभूषणों का खुदरा कारोबार करने वाली कंपनी सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स के चेयरमैन शंकर सेन का मंगलवार को यहां कोविड-19 संक्रमण से 63 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। अस्पताल के सूत्रों ने यह जानकारी दी। परिवार के एक सदस्य ने बताया कि सेन हाल में अपना घुटने का ऑपरेशन कराया था। सेन के परिवार में उनकी मां, पत्नी, बेटा, बेटी और दो नाती-पोते हैं। सेनको गोल्ड की राष्ट्रीय फलक पर पहचान सुनिश्चित करने में सेन का अमूल्य योगदान है। उन्हें अपने पिता से 1990 के दशक में विरासत में कंपनी के तीन स्टोर मिले थे। देशभर में कंपनी के 100 से ज्यादा स्टोर हैं। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स ने उनके निधन पर शोक संदेश में कहा कि वह अपने क्षेत्र के एक भविष्य दृष्टा व्यक्तित्व थे और लोगों के लिए हमेशा सुलभ रहते थे। में से एक रहे हैं। परिषद के चेयरमैन एन. अनंत पद्मनाभन ने कहा कि पूरा उद्योग, सेनको परिवार के साथ संवेदना रखता है। यह एक अपूर्णीय क्षति है। सेन अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद के संसथापक सदज्ञ्यों में से एक रहे हैं। परिषद के चेयरमैन एन. अनंत पद्मनाभन ने कहा कि पूरा उद्योग, सेनको परिवार के साथ संवेदना रखता है। यह एक अपूर्णीय क्षति है।

मारुति सुजुकी कंपनी को लगा बड़ा झटका, 249 करोड़ रुपये का हुआ घाटा

नई दिल्ली। वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने बुधवार को अपने तिमाही नतीजों की परिणाम जारी कर दिया है। कंपनी ने बताया कि उसे वित्त-वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में 250 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है। वहीं कंपनी की पहली तिमाही में आय 4107 करोड़ रही। हालांकि, कंपनी को हुए घाटे का यह आंकड़ा विशेषज्ञों द्वारा लगाए गए अनुमान से कम है। ब्रोकरेज हाउस की रिपोर्ट में 400 करोड़ रुपये के घाटे का अनुमान लगाया था। कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिए लगाए गए लाकडाउन के चलते कंपनी को घाटा हुआ है। मारुति सुजुकी को पिछले वर्ष 2019-20 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून 2019 में 1436 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। अब कंपनी ने करीब 250 करोड़ रुपए का घाटा दर्ज किया है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की मानें तो कंपनी को बीते 15 साल में पहली बार किसी तिमाही में घाटा हुआ है। कंपनी की ओर से जारी हुए बयान में बताया गया है कि कोरोना वायरस के चलते हुए लाकडाउन से कंपनी पर बुरा असर पड़ा है। कंपनी की आय 19,719.8 करोड़ रुपये से गिरकर 4,106.5 करोड़ रुपये पर आ गई है। बता दें कि इसमे करीब 80 फीसदी गिरावट आई है। कंपनी की स्डुद्यद्द भी 18,735.2 करोड़ रुपये से गिरकर 3,677.5 करोड़ रुपये पर आ गई है। इसमें भी 80 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

देश में अगले 3 वर्षों में चलेंगी 44 नई वंदे भारत ट्रेनें

नई दिल्ली। इन अटकलों के बीच कि 2022 तक 44 वंदे भारत ट्रेनों के पटरी पर उतरने में देरी हो सकती है, रेलवे ने मंगलवार को कहा कि इन ट्रेनों का निर्माण अब एक नहीं बल्कि तीन रेल इकाइयों में किया जाएगा और अगले तीन वर्षों के भीतर ये ट्रेनें रेल नेटवर्क में आ जाएंगी। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष वी के यादव ने मंगलवार को कहा कि ट्रेनों को एकसाथ तीन रेल इकाइयों - रेलवे कोच फैक्ट्री, कपूरथला, मॉडर्न कोच फैक्ट्री, रायबरेली और इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई में बनाया जाएगा। यादव ने कहा, ''कुछ महीने पहले निर्णय लिया गया था कि रेलवे की तीन विनिर्माण इकाइयां इन ट्रेनों का निर्माण करेंगी, जिससे उनके निर्माण में लगने वाले समय में कमी आएगी। 44 ट्रेनें अगले दो से तीन वर्षों में चलनी शुरू हो जाएंगी। एक बार निविदा को अंतिम रूप देने के बाद एक निश्चित समयावधि उपलब्ध कराई जाएगी। प्राइवेट ट्रेनों के लिए 12 कलस्टर्स का चयन किया गया है। पूरे देश को कवर करने की कोशिश की गई है। पहले क्लस्टर्स में चंडीगढ़, बेंगलुरु, हावड़ा, मुम्बई और दूसरे कलस्टर्स में पटना, प्रयागराज, सिकन्द्राबाद शामिल है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा, प्राइवेट ट्रेन संचालन अप्रैल 2023 तक शुरू होने की संभावना है।

बिक गई 70 साल पुरानी भारतीय मसाला कंपनी सनराइज, 2150 करोड़ रुपए में हुआ सौदा

नई दिल्ली। तंबाकू, सिगरेट, होटल और एमएफसीजी दिग्गज कंपनी आईटीसी ने मसाला कंपनी सनराइज फूड्स प्राइवेट को खरीद लिया है। आईटीसी के मुताबिक उसने सनराइज फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के सारे शेयर 2,150 करोड़ रुपए में खरीदे हैं। पूरा सौदा कैश-फ्री, डेट-फ्री आधार पर हुआ है। आईटीसी ने कहा कि कंपनी ने 27 जुलाई, 2020 को सनराइज की इक्विटी शेयर पूंजी का 100 प्रतिशत हिस्सा हासिल कर लिया है। इसके साथ ही अब सनराइज और उसकी दो सब्सिडियरी, सनराइज शीतग्रह प्राइवेट लिमिटेड और हॉबिट्स इंटरनेशनल फूड्स प्राइवेट लिमिटेड भी आईटीसी की स्वामित्व वाली सब्सिडियरी कंपनी बन गई हैं। इससे पहले 24 मई को आईटीसी ने घोषणा की थी कि वह एसएफपीएल का अधिग्रहण करेगी। सनराइज पूर्वी भारत में मसालों की सबसे बड़ी कंपनी है। सनराइज 70 साल पुराना ब्रांड है। आईटीसी ने कहा है इसके आशीर्वाद रेंज के मसालों की तेलंगाना और आंध्र में काफी अच्छी मौजूदगी है। कंपनी हाई क्वालिटी मसालों की सबसे बड़ी उत्पादक और निर्यातक कंपनियों से एक है। फिलहाल सनराइज के कोलकाता, आगरा, जयपुर और बीकानेर में फैक्ट्रियां हैं।

कोरोना संकट: लॉकडाउन की वजह से इस साल रेलवे को हो सकता है भारी नुकसान

बिजनेस डेस्क।

कोरोना माहामारी के कारण मार्च से भारतीय रेलवे की यात्री सेवा ठप है। लॉकडाउन होने की वजह से इस वित्त वर्ष रेलवे को पैसेंजर ट्रेनों से होने वाली आय में 30 से 35 हजार करोड़ रुपए का भारी नुकसान हो सकता है। रेलवे को यात्रियों से इस साल पिछले साल के मुकाबले 10 से 15 फीसदी ही रेवेन्यू मिल पाएगा। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन विनोद कुमार यादव ने यह जानकारी दी है। गौरतलब है कि फिलहाल रेलवे सिर्फ 230 स्पेशल ट्रेनें चला रहा है, जिनमें कुल सीटों के मुकाबले करीब 75 फीसदी लोग ही यात्रा कर रहे हैं। विनोद यादव ने बताया, हम यह नहीं जानते कि कोरोना से बने हालात आगे किस तरह के होंगे। रेलवे का लक्ष्य साल 2020 में माल ढुलाई को 50 फीसदी तक बढ़ाना है। इसके लिए बुनियादी ढांचे का और विकास किया जाएगा और

नीतियों को तर्कसंगत बनाया जाएगा। रेलवे ने हाल में कहा था कि उसके कुछ कर्मचारियों के जॉब प्रोफाइल में बदलाव किया जा सकता है, लेकिन रेलवे ने इस पर जोर दिया है कि किसी की छंटनी नहीं की जाएगी। गौरतलब है कि हाल में ही रेलवे ने एक लेटर जारी कर अपने सभी जनरल मैनेजर्स से कहा था कि वे अपनी वैकेंसी में 50 फीसदी की कटौती करें और नए पोस्ट सृजित करना रोक दें। इस पर रेलवे बोर्ड के महानिदेशक ने सफाई देते हुए कहा कि रेलवे सिर्फ कर्मचारियों के आकार को सही रूप दे रहा है और उसमें कटौती नहीं की जा रही। उन्होंने कहा कि रेलवे में कई तरह के तकनीकी विकास की वजह से कुछ जॉब प्रोफाइल में बदलाव किया जा सकता है, कई कर्मचारियों को नए तरह के कौशल की ट्रेनिंग दी जाएगी, लेकिन किसी की छंटनी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि रेलवे में कई तरह के तकनीकी विकास की वजह से कुछ जॉब प्रोफाइल में बदलाव किया जा सकता है, कई कर्मचारियों को नए तरह के कौशल की ट्रेनिंग दी जाएगी, लेकिन किसी की छंटनी नहीं होगी।

कोरोना संकट के बीच पीएफ का पैसा बना सहारा, 4 महीने में 30 हजार करोड़ निकासी

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल से जुलाई तक 80 लाख सब्सक्राइबर्स ने ई.पी.एफ.ओ. से 30,000 करोड़ रुपए का फंड निकाला है। ई.पी.एफ.ओ. करीब 10 लाख करोड़ का फंड मैनेज करता है और इसके सब्सक्राइबर्स की संख्या करीब 6 करोड़ है। निकासी को लेकर विभाग का कहना है कि इससे चालू वित्त वर्ष में हमारी कमाई पर असर होगा। ई.पी.एफ.ओ. अधिकारियों ने बताया कि यह आंकड़ा अप्रैल और जुलाई के तीसरे हफ्ते के बीच का है। सामान्य हालात में इतने कम समय में इतना बड़ा फंड नहीं निकाला जाता है। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि लाखों लोगों की नौकरी चली गई या फिर सैलरी में कटौती और मैडीकल खर्च में ये पैसे खर्च हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 30 लाख सब्सक्राइबर्स ने कोविड विंडो के तहत 8000 करोड़ रुपए की निकासी की है। 50 लाख सब्सक्राइबर्स ने मैडीकल खर्च के लिए 22,000 करोड़ रुपए की निकासी की है। अधिकारियों का कहना है कि बहुत जल्द निकासी करने वाले सब्सक्राइबर्स की संख्या 1 करोड़ तक पहुंच जाएगी। ई.पी.एफ.ओ. निकासी के पुराने आंकड़े पर गौर करें तो वित्त वर्ष 2019-20 में कुल 72,000 करोड़ रुपए निकाले गए थे। विभाग का कहना है कि कोरोना के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। मामले जैसे-जैसे बढ़ रहे हैं, आर्थिक संकट गहराता जा रहा है।

कोरोना संकट में Dettol ने रचा इतिहास, बिक्री के मामले में पहली बार बना न.1

बिजनेस डेस्क।

कोरोना वायरस के कारण हाथ धोने वाले साबुन का इस्तेमाल बढ़ गया है। इस वजह से इंडियन सोप मार्केट में काफी बदलाव आया है। लोगों से अपील की गई है कि वे लगातार साबुन से हाथों को धोते रहें जिससे किसी तरह के कीटाणु के संक्रमण से बचा जा सके। ऐसे में भारत के लोग कीटाणु मारने के लिए साबुन का खूब इस्तेमाल कर रहे हैं। कोरोना संकट में साबुन की बिक्री बढ़ी है, इसी के साथ ही डेटॉल भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला साबुन बन गया है। बिक्री के मामले में डेटॉल साबुन पहली बार नंबर वन बना है। ने पहली बार हिंदुस्तान यूनीलीवर दो फेमस ब्रैंड और दोनों को पीछे छोड़ दिया है। साबुन के परफॉर्मेंस की बात करें तो इसके ग्लोबल सेल में 62 फीसदी की तेजी आई है। बेसिस पाइंट का उछाल आया है। 2019 में इंडियन सोप मार्केट में का शेयर 13.1 फीसदी था, डेटॉल के इंडियन मार्केट शेयर में 430 बेसिस पाइंट का उछाल आया है। 2019 में इंडियन सोप मार्केट में का शेयर 13.1 फीसदी था, जबकि का मार्केट शेयर 10.4 फीसदी था। दूसरे नंबर पर ब्रैंड है जिसका मार्केट शेयर 12.3 फीसदी था। दो सालों में डेटॉल के मार्केट शेयर में अच्छा खासा उछाल आया। 2017 में इंडियन मार्केट में डेटॉल का शेयर 9.7 फीसदी था जो 2019 में बढ़कर 10.4 फीसदी पर पहुंच गया। डेटॉल के मार्केट शेयर में 430 का उछाल आया है। 1 एक बेसिस पॉइंट का सौवां हिस्सा होता है। इस सेगमेंट में दूसरे नंबर पर ब्रैंड है जिसका मार्केट शेयर 2019 कैलेंडर इयर में 12.3 फीसदी था। इंडियन सोप मार्केट करीब 22000 करोड़ का है। 2020 की पहली छमाही में डेटॉल की बिक्री में करीब 500 करोड़ रुपये की तेजी आई है।

2021 में बासमती चावल कंपनियों का मुनाफा बढ़ेगा: क्रिसिल

मुंबई। कोविड -19 महामारी और वैश्विक मंदी से कई उद्योगों के प्रभावित होने के बावजूद, वित्तवर्ष 2020-21 में बासमती चावल कंपनियों का परिचालन मुनाफा एक से डेढ़ प्रतिशत बढ़ना तय है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस वृद्धि का कारण, धान की कीमतें कम होना और विदेशों में स्थिर मात्रा की मांग का होना है। क्रिसिल ने एक रिपोर्ट में कहा कि अच्छे मानसून और खेती के रकबा के स्थिर होने के कारण धान की कीमतें चालू वित्त वर्ष में 36 रुपये प्रति किलोग्राम के औसत मूल्य से लगभग 17 प्रतिशत घटने की उम्मीद है। क्रिसिल ने कहा कि चालू वित्तवर्ष में बासमती चावल कंपनियों का परिचालन मुनाफा में एक से डेढ़ प्रतिशत बढ़ना तय है क्योंकि धान की कीमतें कम हैं और विदेशों में मांग की मात्रा में स्थिरता है। इस परिस्थिति के कारण यह क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के उन खंडों में आ जाता है जो वैश्विक मंदी और कोविड-19 महामारी दोनों के प्रभावों से मुक्त होकर अच्छा प्रदर्शन करने जा रहा है। ईरान को छोड़कर अमेरिका, ब्रिटेन और पश्चिम एशिया जैसे प्रमुख बाजारों से मांग, भारत के बासमती चावल के कुल निर्यात के आधे से भी अधिक की है। वहां लगभग 44 लाख टन का बासमती चावल का निर्यात होता है। इन देशों में मजबूत मांग बनी हुई है।

1 अगस्त से बदलने जा रहे हैं नियम

बिजनेस डेस्क।

देश में 1 अगस्त से कई बदलाव होने जा रहे हैं, इसमें कई चीजें सस्ती हो जाएंगी। इन बदलावों में बैंक लोन, पीएम किसान स्कीम, न्यूनतम बैलेंस पर चार्ज शामिल है। नियमों में होने वाले बदलाव को आपके लिए जानना जरूरी है। नियमों में बदलाव के साथ ही कार और बाइक खरीदना भी थोड़ा सस्ता हो सकता है। बदले हुए नियमों को नहीं जानने से आपको काफी नुकसान हो सकता है। मोटर व्हीकल इंश्योरेंस में बदलाव होने से 1 अगस्त से नई कार या बाइक खरीदना थोड़ा सस्ता हो सकता है। भारतीय बीमा विनियामक विकास प्राधिकरण के मुताबिक, लॉन्ग टर्म पैकेज पॉलिसी के कारण नया वाहन खरीदना लोगों के लिए मंहगा साबित होता है। 1 अगस्त के बाद आपको ऑटो इंश्योरेंस के ऊपर कम पैसे खर्च करने होंगे। इरडा मोटर थर्ड पार्टी और ओन डैमेज इंश्योरेंस से जुड़े नियम में बदलाव होने जा रहा है। के निर्देशों के मुताबिक, 1 अगस्त से नई कार खरीदने वालों को 3 और 5 साल के लिए बीमा लेने के लिए बाध्य नहीं होना पड़ेगा मिनिमम बैलेंस को लेकर एक अगस्त से नियम बदलने जा रहे हैं। ऐक्सिस बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, कोटक महिंद्रा बैंक, आरबीएल बैंक एक अगस्त से ट्रांजैक्शन के नियमों में बदलाव करने जा रहे हैं। इनमें से कुछ बैंक कैश निकालने और जमा करने पर फीस वसूलेंगे तो कई मिनिमम बैलेंस बढ़ाने की तैयारी में है। मिनिमम बैलेंस वह रकम होती है जो आपको खाते में मेनटेन करनी पड़ती है। खाते में इससे कम अमाउंट होने पर पेनाल्टी लगती है। एक अगस्त से पीएम किसान योजना के तहत दूसरी किस्त जमा होगी। पीएम किसान सम्मान निधि जिसे पीएम किसान योजना भी कहते हैं, इसके तहत देश के हर रजिस्टर्ड किसान के खाते में एक साल में 2000-2000 रुपए करके 6000 रुपए जमा किए जाते हैं। साल 2020 की पहली किस्त अप्रैल महीने में आई थी। यह दूसरी किस्त होगी। सरकार ने योजना की शुरुआत से लेकर अब तक देश के 9.85 करोड़ किसानों को नकद लाभ पहुंचाया है। तक देश के 9.85 करोड़ किसानों को नकद लाभ पहुंचाया है। योजना का लाभ डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के जरिए सीधे अकाउंट में पहुंचाया जाता है।

कोरोना की मार! देश की जीडीपी वृद्धि की रफ्तार धीमे पड़ने का अनुमान: ऑक्सफोर्ड इकनॉमिक्स

नई दिल्ली।

ऑक्सफोर्ड इकनॉमिक्स ने कहा कि देश की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के अंत तक धीमी पड़ने का अनुमान है। इसकी वजह अर्थव्यवस्था को फिर से खोलने के शुरुआती प्रयास असर खो रहे हैं। ऑक्सफोर्ड इकनॉमिक्स ने अपनी रिपोर्ट 'इंडियाः ए रीओपनिंग गोन रॉन्ग' (भारतः अर्थव्यवस्था को फिर से खोलना गलत हो गया) में कहा है कि केंद्र सरकार की अर्थव्यवस्था को फिर से शुरू करने की कोशिशें पहले ही जमीनी स्तर पर अटक गयी हैं। रिपोर्ट के अनुसार एशिया की अन्य अर्थव्यवस्थाओं में सुधार के मुकाबले भारत का प्रदर्शन खराब है। भारत को पहले की रफ्तार तक पहुंचने में अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले लंबा समय लग सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'हमारा चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही भारत की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ने का अनुमान है। अर्थव्यवस्था को फिर से खोलने पर बढ़त मिली थी, इसके एक बार फीके पड़ने के साथ-साथ महामारी के प्रकोप के बने रहने, अपर्याप्त नीतिगत समर्थन और अर्थव्यवस्था से जुड़ी पुरानी दिक्कतें इसकी पुनर्पुष्टि करने वाले कारक हैं।' रिपोर्ट में कहा गया है कि जोखिम साफ नजर आ रहा है। कुछ राज्य सरकारों विशेषकर अमीर राज्य सरकारों ने कोरोना वायरस को रोकने के लिए सक्रियता से कदम उठाए हैं, जिसका असर आगे आता दिखाई दे रहा है। ऑक्सफोर्ड इकनॉमिक्स ने कहा कि शुरुआती आंकड़ों से लग रहा था कि लॉकडाउन से तेजी से बाहर आने का सकारात्मक असर अर्थव्यवस्था पर जून में दिखेगा, क्योंकि वैश्विक वृद्धि दर में सुधार दिखना शुरू हुआ था जिससे निर्यात क्षेत्र को मदद मिली। हालांकि उससे आगे का परिदृश्य और चिंताजनक है। अर्थव्यवस्था को फिर से खोलने की परेशानियां दिखने लगी हैं क्योंकि कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोत्तरी जारी है। जून के बाद से पूरे देश के सभी इलाकों में वायरस संक्रमण के नए हॉटस्पॉट सामने आने लगे हैं। दिल्ली को छोड़कर और कोई राज्य या क्षेत्र कोरोना वायरस पर नियंत्रण पाने में सफल नहीं रहा है। देश की आर्थिक वृद्धि दर 2019-20 में 4.2 प्रतिशत रही। विभिन्न घरेलू और वैश्विक एजेंसियों ने चालू वित्त वर्ष के लिए अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर में 3.2 प्रतिशत से लेकर 9.5 प्रतिशत तक की गिरावट के अनुमान जताए हैं।

एएआई को पहली बार हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली।

देश भर में एक सौ से अधिक हवाई अड्डों का परिचालन करने वाली मिनीरत्न कंपनी भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) को कोविड-19 के कारण 25 साल के इतिहास में पहली बार नुकसान उठाना पड़ सकता है। एएआई के अध्यक्ष अरविंद सिंह ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में प्राधिकरण की आय में 80 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है। इस दौरान लगभग दो महीने तक देश में नियमित यात्री विमान सेवा पूरी तरह ठप रही। घरेलू यात्री विमान सेवा 25 मई से दुबारा शुरू की गई है, लेकिन अब भी परिचालन कोविड-19 से पहले के स्तर की तुलना में 30 प्रतिशत पर भी नहीं पहुंचा है इसलिए, आने वाली तिमाहियों में भी राजस्व में गिरावट जारी रह सकती है। उन्होंने कहा ''पहली तिमाही में राजस्व 80 प्रतिशत कम रहा है और चालू वित्त वर्ष में नुकसान की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। वर्ष 1995 में एएआई की स्थापना के बाद से अब तक एएआई हमेशा मुनाफे में रही है। वित्त वर्ष 2018-19 में उसका कुल राजस्व 14,133 करोड़ रुपए और मुनाफा 2,271 करोड़ रुपए रहा था। उसकी आमदनी का 25 प्रतिशत से अधिक हवाई अड्डा नेविगेशन सेवाओं (एएनएस) के मद में प्राप्त होता है। विमान को उड़ान भरने के दौरान नेविगेशन के लिए दी जाने वाली इस सेवा से प्राप्त आय उड़ानें बंद रहने से प्रभावित हुईं। खासकर विदेशी एयरलाइन की उड़ान को एएनएस सेवा देने से काफी आमदनी होती है। एएआई की आमदनी में 30 प्रतिशत से अधिक हवाई अड्डा शुल्क के रूप में मिलता है। इसमें बड़ा हिस्सा प्रति यात्री शुल्क और प्रति उड़ान शुल्क के रूप में प्राप्त होता है। यात्री विमानों की आवाजाही बंद रहने से इन शुल्कों से आमदनी लगभग पूरी तरह समाप्त हो गई थी। सिंह ने बताया कि विमान सेवा कंपनियों ने भी पार्किंग शुल्क तथा अन्य हवाई अड्डा शुल्कों में रियायत की मांग की है। उन्होंने कहा ''बड़ी रियायत देना संभव नहीं होगा, लेकिन 25 मार्च से 24 मई तक की अवधि के लिए आंशिक राहत देने पर विचार किया जा रहा है जब यात्री विमान सेवाएं पूरी तरह ठप रही थीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी इस पर सिफ विचार किया जा रहा है और उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी इस पर सिफ विचार किया जा रहा है और कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। कोविड से पहले घरेलू मार्गों पर रोजाना तकरीब 3,300 उड़ानों का परिचालन हो रहा था और यात्रियों की औसत संख्या तीन लाख के आसपास थी। दुबारा घरेलू उड़ानें शुरू होने के बाद दो महीने में उड़ानों की संख्या 800 के पार पहुंच पाई है जबकि यात्रियों की संख्या 70 हजार से भी कम है।

सिर्फ 90 मिनट में आपके घर सामान पहुंचाएगा फ्लिपकार्ट शुरू की नई सर्विस

बिजनेस डेस्क।

वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट ने मंगलवार को अपनी हाइपर लोकल सेवा फ्लिपकार्ट क्विक की शुरुआत करने की घोषणा की। इस सेवा के तहत अब इसके ग्राहकों को केवल 90 मिनट में डिलिवरी मिलेगी। इस सुविधा के तहत ग्राहकों को किराने का सामान, डेयरी, मांस उत्पादों, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान, स्टेशनरी आइटम और होम एक्सेसरीज से अलग कैटेगरी में 2,000 से अधिक उत्पाद 90 मिनट के अंदर उनके दरवाजे पर होंगे। कंपनी तेजी से बढ़ते भारतीय खुदरा बाजार में अमेजन और मुकेश अंबानी की कंपनी जियोमार्ट से मुकाबले के तहत यह कदम उठा रही है। फ्लिपकार्ट के उपाध्यक्ष संदीप करवा ने कहा, फ्लिपकार्ट क्विक के साथ- हमारी हाइपर लोकल क्षमता के साथ, हमारे पास सिर्फ एक क्लिक के साथ प्लेटफॉर्म पर पड़ोस के किराना स्टोर के पूरे नेटवर्क को एक साथ लाने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि हाइपर लोकल क्षमता भारत के लिए एक बेहतरीन मॉडल है। क्योंकि घर पहले से ही उनके पड़ोस के किराना स्टोर के लिए इसका उपयोग किया जाता है। यह सेवा शुरू में बेंगलुरू में चुनिंदा स्थानों पर उपलब्ध होगी। उसके बाद वर्ष के अंत तक इसका विस्तार देश के छह बड़े शहरों तक कर दिया जाएगा। इस सर्विस का फायदा पाने के लिए ग्राहकों को अगले 90 मिनट में ऑर्डर या अपनी सुविधा के मुताबिक 2 घंटे का स्लॉट बुक करना होगा। सर्विस के लिए ग्राहक दिन के किसी भी वक्त ऑर्डर दे सकते हैं और अपने ऑर्डर को सुबह 6 बजे से आधी रात के बीच कभी भी पा सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ग्राहकों को इसके लिए 29 रुपए की पेमेंट करनी होगी। फ्लिपकार्ट के उपाध्यक्ष संदीप करवा ने कहा, 'फ्लिपकार्ट क्विक के साथ हमारी हाइपरलोकल क्षमता के साथ, हमारे पास सिर्फ एक क्लिक में हमारे प्लेटफार्म पर पड़ोस के किराना स्टोर के पूरे नेटवर्क को एक साथ लाने की क्षमता है।' उन्होंने कहा कि हाइपरलोकल क्षमता भारत के लिए एक बेहतरीन मॉडल हैं क्योंकि घर पहले से ही उनके पड़ोस के किराना स्टोर के लिए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंग्लैंड से टेस्ट सीरीज हारने पर विंडीज कप्तान का आया बड़ा बयान

लंदन । वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से इस साल के अंत में कैरेबियाई दौरे पर आने की अपील की है। विंडीज टीम ने इंग्लैंड के जैव सुरक्षा वातावरण में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली है। इंग्लैंड ने मैच के अंतिम दिन मंगलवार को तीन मैचों की श्रृंखला का तीसरा टेस्ट 269 रन से जीतकर श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। होल्डर ने कहा- हम नहीं जानते कि अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के संदर्भ में इस श्रृंखला के बाद क्या होने वाला है, लेकिन अगर इंग्लैंड के पास साल के अंत से कैरिबियन आने का अवसर है, तो मुझे यकीन है कि यह वेस्टइंडीज के वित्तीय रिकॉर्ड में काफी मदद करेगा। वेस्ट इंडीज क्रिकेट कुछ वर्षों से में आर्थिक समस्याओं से जूझ रहा है। हमें वेतन में अधिक कटौती करनी पड़ी है, इसलिए यदि 2020 के अंत से पहले एक दौरे की मेजबानी करना संभव है, तो यह शायद हमें एक संगठन के रूप में बनाए रखेगा। उन्होंने कहा कि होल्डर ने स्वीकार किया कि मानसिक थकान उनके पक्ष की विफलता का एक गंभीर कारक थी, लेकिन वेस्टइंडीज को ए-टीम के खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण के लिए एक सकारात्मक परिणाम मिला। मैंने अनुभव का पूरा आनंद लिया है।

क्रिकेट

संगाकारा-महेला जयवर्धने की 624 रन की पार्टनरशिप को 14 साल पूरे, बताई मजेदार बात

नई दिल्ली ।

टेस्ट क्रिकेट की सबसे बड़ी पार्टनरशिप को 14 साल पूरे हो गए हैं। साऊथ अफ्रीका के खिलाफ कोलंबो के मैदान पर श्रीलंकाई क्रिकेटर कुमार संगाकारा और महेला जयवर्धने ने रिकॉर्ड 624 रन की पार्टनरशिप की थी। यह टेस्ट क्रिकेट में सर्वाच्च पार्टनरशिप है। संगाकारा ने इस दौरान 675 मिनट बल्लेबाजी करते हुए 457 गेंदों में 287 रन बनाए थे। संगाकारा ने इस दौरान 35 चौके भी जड़े। वहीं, महेला ने साढ़े 12 घंटे बल्लेबाजी करते हुए 572 गेंदों में 43 चौके और एक छक्के की मदद से 374 रन बना दिए। अपनी पार्टनरशिप को याद करते हुए संगाकारा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह हमारा दिन था। हम पहली बार तब मिले थे जब अंडर-17 के मुकाबले होते थे। मैं कैंडी से था तो महेला कोलंबो से। हमने साथ में बहुत सारी क्रिकेट खेली थी इसलिए हम दोनों में अच्छी समझ थी। साऊथ अफ्रीका के खिलाफ जब 14 रन पर दो विकेट गिर चुके थे तब महेला क्रीज पर आए थे। हमने सिर्फ अपने पुराने दिनों का याद किया। हम बार-बार एक-दूसरे को पूछ रहे थे कि रात को हमने खाया क्या था। वह दिन रनों का था। हमने साऊथ अफ्रीका के गेंदबाजों को जमकर खेला। जयवर्धने बोले- मेरे बैट पर बॉल अच्छे से आ रही थी। लेकिन मुझे यह नहीं पता था कि हम पार्टनरशिप का कोई रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। जब मैं पवेलियन में आया तो पता चला कि मैं एक और रिकॉर्ड तोड़ सकता था। यह रिकॉर्ड था ब्रायन लारा के नाम। टेस्ट क्रिकेट में 400 रन बनाने का। लेकिन मुझे संतुष्टि हुई कि मैंने अच्छा क्रिकेट खेला। बता दें कि कोलंबो में खेले गए टेस्ट मैच के दौरान श्रीलंका ने दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 169 रनों पर सिमेट दिया था। जवाब में खेलने उतरी श्रीलंका ने पांच विकेट के नुकसान पर 756 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने दूसरी पारी में 434 रन बनाए लेकिन वह पारी की हार से नहीं बच पाई। मुरलीधरन ने मैच में कुल 10 विकेट लिए।

विंडीज तेज गेंदबाज वाल्श बोले- इंग्लैंड को 2 बार पहले बल्लेबाजी देकर गलती की

मैनचेस्टर ।

दिग्गज तेज गेंदबाज कर्टनी वाल्श का मानना है कि वेस्टइंडीज ने दूसरे और तीसरे टेस्ट में हार के दौरान टॉस जीतकर इंग्लैंड को पहले बल्लेबाजी का न्योता देकर गलती की। वाल्श का मानना है कि वेस्टइंडीज ने पहला टेस्ट जीतने के बाद सुरक्षित रवैया अपनाने की कोशिश की और इसके कारण उसे श्रृंखला गंवानी पड़ी। वेस्टइंडीज ने साउथम्पटन में पहला टेस्ट चार विकेट से जीता था लेकिन ओल्ड ट्रैफर्ड में दूसरे और तीसरे टेस्ट में उसे शिकस्त का सामना करना पड़ा जिससे इंग्लैंड ने विजडन ट्रॉफी दोबारा जीत ली। वाल्श ने कहा, 'वे संभवतः सोच रहे थे कि हम 1-0 से आगे हैं, चलो सुरक्षित होकर खेलते हैं और अगले दो टेस्ट में हार से बचने की कोशिश करते हैं और मुझे लगता है कि यहां उन्होंने वह किया जो इंग्लैंड चाहता था। वेस्टइंडीज की ओर से 132 टेस्ट में 519 विकेट चटकाने वाले वाल्श ने कहा, 'दो बार टॉस जीतना और बल्लेबाजी नहीं करना, यह अच्छा सवाल है जिनका उन्हें जवाब देना है। मुझे लगता है कि हमने संभवतः इससे श्रृंखला गंवा दी। वाल्श ने हालांकि पहले टेस्ट में हार के बाद वापसी का श्रेय इंग्लैंड की टीम को दिया। उन्होंने कहा, 'लेकिन इसके बावजूद आप इंग्लैंड से श्रेय नहीं छीन सकते। उन्होंने शानदार क्रिकेट खेला। उनके पास कुछ शीर्ष स्तरीय गेंदबाज हैं और ब्रॉड दूसरे टेस्ट में खुद को साबित करने के इरादे से उतरे और फिर इस लय को जारी रखा। एक बार लय में आने के बाद इंग्लैंड ने दबदबा बनाया।

ब्रॉड की उपलब्धि पर गद्‌गद्‌ हुए युवराज, फैंस से बोले- अब मजाक न बनाना

नई दिल्ली । भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी युवराज सिंह इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड की प्रशंसा करते नहीं थक रहे हैं। ब्रॉड बीते दिनों ही विंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट में 500 विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। युवराज ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस से एक विशेष अनुरोध किया कि वे डरबन में 2007 के आईसीसी वर्ल्ड टी 20 में बाद के गेंदबाजी पर छक्के लगाकर ब्रॉड का मजाक न उड़ाएं। उन्होंने लिखा-मुझे यकीन है कि हर बार मैं जब स्टुअर्ट ब्रॉड के बारे में कुछ लिखता हूं, लोग सोचते हैं कि यह उन 6 छक्कों से संबंधित होगा। आज मैं अपने सभी प्रशंसकों से अनुरोध करता हूं कि उन्होंने जो हासिल किया है, उसकी सराहना करें! 500 टेस्ट विकेट कोई मजाक नहीं है। यह कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ संकल्प के साथ होता है। ब्रॉडी आप एक किंवदंती हैं! सलाम। बता दें कि साउथेम्प्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में ब्रॉड को मौका नहीं दिया गया था। इससे गुस्साए ब्रॉड ने नैशनल टीवी पर अपना गुस्सा जाहिर किया था। ब्रॉड ने चयनकर्ता ने अपना चुनाव न करने का कारण पूछ लिया था। इसके बाद ब्रॉड वापस आए और दो टेस्ट मैचों में 16 विकेट लेकर मैन ऑफ द सीरीज रिकॉर्ड अपने नाम किया।

बीसीसीआई ने कसी कमर : आईपीएल 2020 को लेकर किए 5 बड़े फैसले

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) ने संयुक्त अरब अमीरात यूएई में होने जा रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 13वें संस्करण को लेकर अपनी योजनाएं साझा की है। इसके तहत जल्द ही प्रमुख हितधारकों, फैंचाइजी मालिकों, प्रसारकों और मुख्या प्रायोजकों के साथ बैठक होनी है जिसमें जैव सुरक्षित वातावरण बनाने पर चर्चा होगी। आइए आपको बताते हैं कि आईपीएल के दौरान बीसीसीआई कौन से पांच नए फैसले ले रहा है। जैव सुरक्षित वातावरण बोर्ड, आईएमजी, ब्रॉडकास्टर्स और अन्य के लिए भी बनाया जाएगा। किसी को भी जैव सुरक्षित वातावरण के बाहर के लोगों के साथ बातचीत करने की अनुमति नहीं होगी। योजना के अनुसार बीसीसीआई के सेंट्रल रेवेन्यू पूल के वितरण में कोई बदलाव नहीं होगा। यानी कप जीतने पर अभी भी उतनी राशि मिलेगी जितनी पहले ही तय थी। इसी घटाया नहीं गया है। आईपीएल के सभी 60 मैच 51 दिनों में खेले जाएंगे। बोर्ड ने कहा है कि आईपीएल का आयोजन दर्शकों के बिना किया जाए।

सभी फ्रैंचाइजी को यूएई में अपने खिलाड़ियों की यात्रा का प्रबंध खुद ही करना होगा। बीसीसीआई यूएई के होटलों से डिस्काउंट रेट को लेकर बात करेगा और फ्रैंचाइजी को इसकी जानकारी देगा। फ्रैंचाइजी तय करेगी कि उन्हें विकल्प पसंद है या नहीं। सभी फ्रैंचाइजी को मेडिकल टीम का प्रबंध भी खुद ही करना होगा और बीसीसीआई केवल सेंट्रल मेडिकल टीम का प्रबंध करेगी। बीसीसीआई केवल सेंट्रल मेडिकल टीम का प्रबंध करेगी। एक बार खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के यूएई पहुंचने पर उनके टेस्ट कराने की जिम्मेदारी भी फ्रैंचाइजी पर ही होगी। प्रत्येक फ्रैंचाइजी की मेडिकल टीम को अपनी टीम के साथ सिक्यॉरिटी बबल में ही रहना होगा। खिलाड़ियों के लिए भी नीति वही रहेगी। इसमें बदलाव नहीं किया गया। यानी फ्रैंचाइजी अतिरिक्त खिलाड़ियों को अपने साथ यूएई ले जा सकते हैं। यह वो खिलाड़ी होते हैं जोकि नेट्स में गेंदबाजी के काम आते हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिग्गज स्पिनर बोला- ब्रॉड के पास 700 विकेट लेने का मौका, अगर वह...

मैनचेस्टर । वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने 500 विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वार्न को लगता है कि ब्रॉड के पास 700 विकेट पूरे करने का अच्छा मौका है। बता दें कि साउथम्पटन में पहले टेस्ट में ब्रॉड को मौका नहीं दिया गया था। यह मैच इंग्लैंड हार गया था। अंतिम दोनों टेस्ट में ब्रॉड ने शानदार प्रदर्शन किया जिसकी बदौलत इंग्लैंड ने 2-1 से श्रृंखला जीत ली। 34 वर्षीय ब्रॉड को मैन ऑफ द सीरीज चुना गया। उन्होंने दो मैचों में 16 विकेट हासिल किए। तीसरे टेस्ट के आखिरी दिन, वह जेम्स एंडरसन के बाद प्रारूप में 500 विकेट हासिल करने वाले दूसरे अंग्रेज भी बन गए। वॉर्न ने ब्रॉड की प्रशंसा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। उन्होंने ट्वीट किया- जीत पर बधाई और 500 वें विकेट पर भी केवल 34 साल की उम्र में - अभी भी बहुत समय बचा है, 700+ एक अच्छा मौका है। ब्रॉड 500 विकेट तक पहुंचने वाले दूसरे सबसे युवा बॉलर भी हैं। उनसे पहले सिर्फ श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन ही 31 साल की उम्र में 500 विकेट तक पहुंचे थे। अब इंगलैंड की टीम पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी कर रही है। पहला टेसट 5 अगस्त से शुरू होगा।

उमर अकमल को मिली बढ़ी राहत, इतने महीने का प्रतिबंध घटा

कराची । पाकिस्तानी बल्लेबाज उमर अकमल का तीन साल का प्रतिबंध बुधवार को घटाकर 18 महीने का कर दिया गया जो साल के शुरू में भ्रष्ट पेशकश की रिपोर्ट नहीं करने के लिए लगाया गया था। अकमल का प्रतिबंध अब फरवरी 2020 से अगस्त 2021 तक प्रभावी होगा। स्वतंत्र अधिनिर्णायक फकीर मोहम्मद खोखर ने 30 साल के खिलाड़ी के प्रतिबंध को कम किया। यह बल्लेबाज हालांकि इससे खुश नहीं है और वह दोबारा अपील करना चाहते हैं। उन्होंने इस फैसले के बाद यहां स्थानीय मीडिया से कहा- मुझसे पहले भी काफी क्रिकेटर थे जिन्होंने भ्रष्टाचार किया था लेकिन किसी को भी मेरे जैसी सख्त सजा नहीं दी गयी थी। मैं एक बार फिर अपील करूंगा कि मेरी सजा और कम कर दी जाये। अकमल पर अप्रैल में तीन साल का प्रतिबंध लगाया गया था क्योंकि वह पाकिस्तान सुपर लीग से पहले भ्रष्टाचार की पेशकश की रिपोर्ट करने में असफल रहे थे। उन्होंने अपनी गलती स्वीकार कर ली थी लेकिन उन्होंने अपने पक्ष को सही ठहराने की भी कोशिश की। उन्होंने अपनी गलती स्वीकार कर ली थी लेकिन उन्होंने अपने पक्ष को सही ठहराने की भी कोशिश की।

स्टुअर्ट ब्रॉड ने आईसीसी बॉलिंग रैंकिंग में लगाई बड़ी छलांग, इस नंबर पर पहुंचे

दुबई ।

विंडीज के खिलाफ तीसरे और आखिरी टेस्ट में दस विकेट लेने के बाद इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड आईसीसी टेस्ट गेंदबाज रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। ब्रॉड ने पहली पारी में छह विकेट चटकाए, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने चार विकेट लिए। ब्रॉड के इस प्रयास से इंग्लैंड को तीसरा टेस्ट 269 रन से जीतने में मदद मिली। इसके साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से जीतकर विजडन ट्रॉफी हासिल कर ली। ब्रॉड तीसरे टेस्ट की शुरुआत से पहले 10वें स्थान पर थे, लेकिन मैच के बाद, उन्होंने तीसरा स्थान लेने के लिए सात स्लॉट बनाए। तीसरे और आखिरी टेस्ट में ब्रॉड टेस्ट क्रिकेट में 500 विकेट लेने वाले सातवें गेंदबाज भी बने। ब्रॉड ने अपनी पहली पारी में 45 गेंदों पर 62 रनों की पारी भी खेली थी। इसके अलावा क्रिस वोक्स भी दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर 20वें स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग 654 अंक हासिल की। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज रोरी बर्न्स ओल्ड ट्रैफर्ड में 57 और 90 का स्कोर बनाकर 13वें स्थान पर पहुंच गए। वेस्टइंडीज के लिए शाई होप 68वें स्थान पर तेज गेंदबाज केमर रोच इंग्लैंड की पहली पारी में चार विकेट लेने के बाद 15वें स्थान पर पहुंच गए। बल्लेबाजों में स्टीव स्मिथ और विराट कोहली आईसीसी रैंकिंग में अपना नंबर एक और दो का स्थान बनाए हुए हैं। उधर, ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस ने भी आईसीसी टेस्ट गेंदबाज रैंकिंग में अपना नंबर एक स्थान बरकरार रखा है। इंग्लैंड के बेन स्टोक्स टेस्ट में नंबर एक ऑलराउंडर हैं, जबकि जेसन होल्डर दूसरे स्थान पर हैं।

भारत के पास एयुएस को पस्त करने का पूरा इंतजाम, स्मिथ-वार्नर को भी रोक सकते हैं : गंभीर

मुंबई । पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर का मानना है कि विराट कोहली की अगुआई वाली टीम के पास आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त करने के लिए शानदार गेंदबाजी आक्रमण मौजूद है जिसमें वे स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर को भी बड़ी पारी खेलने से रोकने में समर्थ हैं। भारत के पिछले आस्ट्रेलियाई दौरे के दौरान स्मिथ और वार्नर पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में गेंद से छेड़छाड़ करने के कारण प्रतिबंध लगा हुआ था। भारतीय टीम नवंबर में चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। गंभीर ने कहा, 'भारत के पास डेविड वार्नर और स्टीव स्मिथ सहित आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी लाइन अप को ध्वस्त करने के लिये गेंदबाजी आक्रमण मौजूद है लेकिन हां, यह पिछली बार के दौरे से अलग चुनौती होगी। उन्होंने कहा, 'इसलिए आप चाहोगे कि विराट कोहली अपने गेंदबाजों को भी बेहतरीन तरह से तैयार करें क्योंकि गेंदबाज ही हैं जो आपको टेस्ट मैचों में जीत दिलाते हैं। पिछली बार 2018-19 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया में पहली टेस्ट श्रृंखला अपने नाम की थी लेकिन तब ऑस्ट्रेलियाई टीम में स्मिथ और वार्नर शामिल नहीं थे। भारत की 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप टीम का हिस्सा रह चुके गंभीर ने कहा कि इस बार मेहमान टीम के लिये चुनौती अलग होगी। उन्होंने कहा, 'कोहली का वो पहला दौरा था, या फिर दूसरा दौरा था। लेकिन इस बार वह इसके लिए तैयार होंगे क्योंकि यह अलग चुनौती होगी, इस बार डेविड वार्नर और स्टीव स्मिथ भी आस्ट्रेलियाई टेस्ट बल्लेबाजी क्रम में शामिल हैं। लेकिन इस बार वह इसके लिए तैयार होंगे क्योंकि यह अलग चुनौती होगी, इस बार डेविड वार्नर और स्टीव स्मिथ भी आस्ट्रेलियाई टेस्ट बल्लेबाजी क्रम में शामिल हैं।

इंगलैंड का पूर्व क्रिकेटर बोला- उम्मीद नहीं थी ब्रॉड निकाल लेंगे 500 विकेट

नई दिल्ली । इंगलैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट में क्रेग ब्रैथवेट की विकेट लेने के साथ ही टेस्ट क्रिकेट इतिहास में 500 विकेट लेने 7वें गेंदबाज बन गए। उनके इस उपलब्धि से इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन हैरान हैं। उनका कहना है कि उन्हें कभी नहीं लगा कि स्टुअर्ट ब्रॉड खेल के सबसे लंबे प्रारूप में 500 विकेट ले सकते हैं। वॉन ने कहा कि उन्हें लगता था कि ब्रॉड का करियर अच्छा होगा लेकिन वह 500 विकेट लेगा इस बारे में सोचा नहीं था। वॉन ने इंस्टाग्राम पर ब्रॉड की फोटो शेयर करते हुए लिखा- मुझे हमेशा लगा कि वह एक अच्छा टेस्ट करियर बनाने जा रहा है, लेकिन मेरे पास समीकरण में 500 टेस्ट विकेट नहीं थे। कौशल, लचीलापन, कड़ी मेहनत, जिद। एक महान सबक। सभी युवा क्रिकेटर्स को बधाई हो। स्टुअर्ट ब्रॉड 500... स्टुअर्ट ब्रॉड अब टेस्ट प्रारूप में लिए गए सर्वाधिक विकेटों की सूची में सातवें स्थान पर आ गए हैं। उनके नाम पर 140 टेस्ट मैचों में 501 विकेट हो गए हैं। ब्रॉड के अलावा, जेम्स एंडरसन 500 से अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले एकमात्र इंग्लिश गेंदबाज हैं।

आंद्रे रसेल की टिप्पणियों पर दिनेश कार्तिक ने तोड़ी चुप्पी, बोले- एक ने माफी मांगी थी

नई दिल्ली ।

वेस्टइंडीज के हरफनमौला खिलाड़ी आंद्रे रसेल ने इंडियन प्रीमियर लीग के 2018 सीजन में प्ले-ऑफ में जगह बनाने से चूकने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में 'निर्णय लेने' से नाखुशी जाहिर की थी। इसके बाद कप्तान दिनेश कार्तिक पर उंगलियां उठी कि उन्होंने बल्लेबाजी क्रम को लेकर गलत फैसले किए। खुद रसेल भी अपने बल्लेबाजी क्रम को लेकर निराश थे। वह चाहते थे कि वह जल्द ग्राऊंड पर पहुंचे। अब विकेटकीपर बल्लेबाज ने इस पर स्थिति स्पष्ट कर दी है। उन्होंने कहा है कि रसेल इस तथ्य से अधिक नाखुश थे कि टीम व्यक्तिगत रूप से मैच नहीं जीत पा रही है नाकि मेरे फैसलों के कारण। कार्तिक ने कहा- वेस्टइंडीज के खिलाड़ी जो भी बात कहते हैं, ईमानदारी से कहते हैं। फर्क सिर्फ यह है कि आप उसे कैसे लेते हैं। यदि आप इसे आक्रामक रूप से लेना चाहते हैं, तो गलती आपकी ओर से है। आप इसे रचनात्मक रूप से भी ले सकते थे जैसा कि मैंने किया। हमने इसके बाद बातचीत की और मामला निपट गया।

कार्तिक ने यूट्यूब पर आरके शो में कहा- हां, वह मुझसे खुश नहीं था, वह इस बात से खुश नहीं था कि टीम जीत नहीं रही थी, यही बॉटमलाइन है। उसने जो भी कहा, मैंने उसका पूरा सम्मान किया। कार्तिक ने कहा कि रसेल ने उन टिप्पणियों के बाद माफी भी मांगी थी।

फेक फॉलोअर्स रैकेट : मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर को मुंबई पुलिस ने भेजा समन, होगी पूछताछ

स्पोर्ट्स डेस्क । क्रिकेट कमेंटेटर और वीजे गौरव कपूर तथा आरजे रोशन अब्बास पर सोशल मीडिया पर फर्जी फॉलोअर्स बढ़ाने का मामला दर्ज हुआ है। इसे लेकर मुंबई एसआईटी जांच कर रही और इन दोनों से पूछताफ की जाएगी। दरअसल कुछ दिनों पहले गायिका भूमि त्रिवेदी ने शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि कुछ लोग उनके नाम से सोशल मीडिया पर लोगों को फर्जी फैन फॉलोविंग मुहैया कराने का दावा कर रहे हैं। इस पर मुंबई पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की जिसमें अब क्रिकेट कमेंटेटर गौरव कपूर का नाम भी सामने आ रहा है। मुंबई पुलिस एसआईटी ने इस मामले को लेकर गौरव और रोशन को समन भी जारी किया है। गौर हो कि 39 साल के गौरव ने 2011 से 2017 तक इंडियन प्रीमियर लीग में एक टॉक शो एक्स्ट्रा इनिंग को होस्ट किया था। मार्च 2017 में गौरव ने वेब सीरीज ब्रेकफास्ट विद चैंपियन की शुरुआत की जिसमें वह क्रिकेटरों और स्पोर्ट्स से जुड़े लोगों का इंटरव्यू करते हैं। इस दौरान शोएब अख्तर, गैरी कस्र्टन, जहीर खान, हरभजन सिंह, युवराज सिंह, ड्वेन ब्रावो, विराट कोहली, सौरव गांगुली, राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर सहित कई दिग्गज खिलाड़ी उनके शो का हिस्सा बन चुके हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एलएसी में तनाव कम करने को तैयार नहीं चीन! फिंगर एरिया में डटी है चीनी सेना

नेशनल डेस्क।

चीन भले ही वास्तविक नियंत्रण रेखा से पीछे हटने के लाख दावे करे लेकिन सच्चाई इससे एकदम विपरीत है। पैंगॉन्ग और गोगरा इलाके में कोई बदलाव नहीं आया है यानी कि वहां से चीनी सेना पीछे नहीं हटी है। हालांकि चीन दावा कर रहा है कि सैनिकों ने सीमा पर ज्यादातर स्थानों पर पीछे हटने की प्रक्रिया पूरी कर ली है तथा जमीनी स्तर पर तनाव घट रहा है। भारत सरकार की मानें तो चीन इस मामले में झूठ बोल रहा है। पर जवानों की तैनाती में कमी की गई है, लेकिन अभी भी कुछ जवान वहां जमे हुए हैं। सेना के सूत्रों के अनुसार चीन की सेना फिंगर 4 के रिज एरिया में अभी भी मौजूद है। वह फिंगर 4 से हटकर फिंगर 5 पर अपनी सेना के साथ मौजूद है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने दावा किया था कि भारत और चीन के सैनिकों ने पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी, हॉट स्प्रिंग और कोंगका दर्रा इलाकों में पीछे हटने की प्रक्रिया पूरी कर ली है ।

सिर्फ पैंगोंग सो इलाके में ही सैनिकों को पीछे हटना है। प्रवक्ता ने इस बात का जिक्र किया कि चीन और भारत ने हाल ही में सैन्य एवं कूटनीतिक माध्यमों से गहन बातचीत की है। बता दें कि पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों की सेनाओं के बीच तनाव घटाने के लिये राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने पांच जुलाई को टेलीफोन पर करीब दो घंटे बातचीत की थी। डोभाल और वांग के बीच हुई बातचीत के बाद भारत और चीन, दोनों देशों ने छह जुलाई से सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया शुरू की थी। ये दोनों सीमा मुद्दे पर अपने-अपने देश के विशेष प्रतिनिधि हैं। उल्लेखनीय है कि गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच 15 जुलाई को हुई।

युएस थिंक टैंक की सलाह- चीन के खिलाफ पेंटागन बनाए नई राष्ट्रीय रक्षा रणनीति, एशियाई महाशक्ति को दे प्राथमिकता

वॉशिंगटन।

अमेरिका और चीन के बीच बढ़ रहे तनाव को देखते हुए अमेरिकी थिंक टैंक की टैंशन बढ़ भी गई है। एक अमेरिकी थिंक टैंक ने सुझाव दिया है कि पेंटागन को इस सर्दियों में चीन के खिलाफ नई राष्ट्रीय रक्षा रणनीति तैयार करने के लिए एशियाई महाशक्ति को स्पष्ट रूप से प्राथमिकता देनी चाहिए। अमेरिकी थिंक टैंक ने कहा कि चीन कोरोना वायरस महामारी के चलते पाकिस्तान और श्रीलंका की चरमराती आर्थिक स्थिति का फायदा उठाकर उनके साथ संबंध मजबूत कर हिंद महासागर में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि चीन को रोकने के लिए अमेरिका तथा भारत को कोई योजना बनानी चाहिए। सेंटर फॉर ए न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी ने 27 जुलाई को प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा कि पिछले कई वर्षों के दौरान चीन की संदिग्ध कार्रवाइयों ने न सिर्फ अमेरिका बल्कि पूरी दुनिया को नुकसान पहुंचाया इसलिए नई राष्ट्रीय रक्षा रणनीति बनाई जाए जो केवल चीन पर ध्यान केंद्रित करे। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी रक्षा सचिव जेम्स एन मैटिस ने जनवरी 2018 में एनडीएस पर हस्ताक्षर किए थे जो कि पहली बार संकेत था कि पेंटागन को चीन खिलाफ मजबूत रणनीति बनानी चाहिए । की रिपोर्ट में दर्शाया गया है कि नया हृष्ठस 2021 में रक्षा सचिव के लिए मूल रूप से तीन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एक अवसर है। । गौरतलब है कि हिंद महासागर में चीन की बढ़ती मौजूदगी से अमेरिका के अलावा भारत, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और जापान भी चिंता है। भारत मुख्यतः चीन की बढ़ती आक्रामकता को रोकने के उद्देश्य से श्रीलंका, मालदीव, इंडोनेशिया, थाईलैंड, वियतनाम, म्यामां और सिंगापुर सहित क्षेत्र के देशों के साथ समुद्री सहयोग बढ़ाने की कोशिश करता रहा है। थिंक टैंक के अनुसार अगर पेंटागन एशियाई देशों को विश्वास में लेकर चीन के खिलाफ नई रणनीति तैयार करता है तो ड्रैगन की आक्रामक व विस्तारवादी पर अंकुश लगाया जा सकता है।

पश्तूनों ने दुनियाभर में पाक सेना और तालिबान के खिलाफ खोला मोर्चा

इंटरनेशनल डेस्क।

पश्तून लोगों पाकिस्तानी सेना और तालिबान के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए विरोध प्रदर्शन किया। पश्तूनों ने अफगानिस्तान और यूरोप के विभिन्न भागों में प्रदर्शन के दौरान डूरंड लाइन की दोनों ओर से हिंसा का विरोध किया। पश्तूनों ने अफगानिस्तान के पकतीता और खोस्त प्रांत में 27 और 28 जुलाई 2 दिनों के प्रदर्शन का आहवान किया था । पश्तून पंजाबियों ने तालिबान के खिलाफ आवाज उठाते हुए डूरंड लाइन की दोनों तरफ खाली करने की मांग की। पश्तून तहफूस मूवमेंट के सदस्यों ने 27 जुलाई को खोस्ट और चामकाइन प्रांत में विरोध प्रदर्शन किया था। इसके साथ ही ने पाकिस्तान द्वारा पश्तूनों के नरसंहार के खिलाफ यूरोप में भी प्रदर्शनों की एक श्रृंखला का आह्वान किया है। उल्लेखनीय है कि पीटीएम के सदस्यों ने जर्मनी, बेल्जियम और स्वीडन क शहरों में और ब्रुसेल्स में ईयू के सामने पाकिस्तान में पीटीएम के कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित और हिरासत में लेने के खिलाफ भी प्रदर्शन किया।

साल 2019-2020 में ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता हासिल करने में भारतीय सबसे आगे

मेलबर्न।

वर्ष 2019-2020 के दौरान 38,000 भारतीयों ने ऑस्ट्रेलिया की नागरिकता हासिल की। यह संख्या पिछले साल भारतीयों को मिली ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता से 60 प्रतिशत अधिक है और ऑस्ट्रेलिया में किसी अन्य देश के लोगों को मिली नागरिकता की सर्वाधिक संख्या है। वर्ष 2019-2020 में जिन दो लाख से अधिक लोगों को ऑस्ट्रेलिया की नागरिकता मिली उनमें से 38,209 भारतीय हैं। इसके अलावा 25,011 ब्रिटिश, 14,764 चीनी और 8,821 पाकिस्तानी लोगों को ऑस्ट्रेलिया की नागरिकता हासिल हुई। ऑस्ट्रेलिया के आव्रजन, नागरिकता, प्रवासी सेवा और बहुसांस्कृतिक मामलों के कार्यवाहक मंत्री एलन टुडगे ने कहा कि देश के एक सामाजिक रूप से संयुक्त, बहुसांस्कृतिक राष्ट्र के रूप में उभरने में नागरिकता की अहम भूमिका है। टुडगे ने कहा, ऑस्ट्रेलियाई नागरिक होने का अर्थ यहां रहने और काम करने से कहीं अधिक है। इसका अर्थ हमारे राष्ट्र, लोगों और मूल्यों के प्रति संकल्पित होना है। जब कोई नागरिक बनता है तब वह ऑस्ट्रेलिया के अधिकारों, स्वतंत्रता, कानून और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लेता है। हमारे सफल बहुसांस्कृतिक राष्ट्र में समाहित होने की हमारी अपनी इच्छा जताता है।

टुडगे ने एक वक्तव्य में कहा, ऑस्ट्रेलियाई नागरिक होना बड़े सौभाग्य की बात है जिससे अधिकार और कर्तव्य दोनों का भान होता है। मैं उन सभी को शुभकामनाएं देता हूं जिन्होंने यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कोविड-19 महामारी को देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने ऑनलाइन समारोह आयोजित किए थे जिनमें 60,000 से अधिक लोगों को नागरिकता दी गई।

गिलगित-बाल्टिस्तान में छापेमारी दौरान मारे गए पाकिस्तान के 5 पुलिसकर्मी

पेशावर । पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में जिला चिल्हास में मध्य रात्रि छापेमारी के दौरान हुई गोलीबारी में काउंटर-टेररिज्म डिपार्टमेंट के एक सब-इंस्पेक्टर सहित 5 पाकिस्तानी पुलिसकर्मियों सहित 7 लोगों की मौत हो गई। जियो न्यूज ने बताया कि चिल्हास इलाके में यह घटना तब हुई जब संदिग्धों ने अधिकारियों पर गोलियां चलाईं। घटना की जांच जारी है। पाकिस्तानी चैनल के अनुसार, गिलगित-बाल्टिस्तान के केयरटेकर मुख्यमंत्री मीर अफ़ज़ल खान ने कहा कि संदिग्ध आतंकवादी गतिविधियों के अलावा व्यापारिक हथियारों में शामिल थे। पुलिस के अनुसार, चिल्हास के रोनाई मुहल्ले में घर से छापेमारी के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार करते समय यह मुठभेड़ हो गई । उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा जवाबी फायरिंग में दो लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा जवाबी फायरिंग में दो लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि ये पता नहीं चला कि वे अभियुक्त के साथ थे या नहीं। मृतकों के परिवार के सदस्यों ने कहा है कि छापे में मारे गए व्यक्ति में से एक छात्र था। परिजन मृतक के शव के साथ काराकोरम राजमार्ग पर प्रदर्शन कर रहे हैं और आरोप लगाया है कि पुलिस ने गलत सूचना के साथ छापेमारी की।

हादसे में बेटे को खोने वाले भारतीय ने दुबई में फंसे 61 लोगों का उठाया पूरा खर्च, भेजा घर

दुबई ।

कई बार हादसे इंसान को अधिक मजबूत और संवेदनशील बना देते हैं। ऐसा ही हुआ दुबई में रहने वाले एक भारतीय के साथ जिन्होंने एक हादसे में अपने बेटे को खोने के बाद दूसरों की मदद करने की ठान ली। दुबई में रहने वाले भारतीय मूल के व्यवसायी टीएन कृष्ण कुमार ने यूएई में फंसे 61 भारतीयों के टिकट का पूरा खर्च उठाया और उनको घर लौटने में मदद की। कृष्ण कुमार के 19 साल के बेटे रोहित और पड़ोसी शरत (21) स्कूल खत्म होने के बाद छुट्टियां मनाने गए थे और इसी दौरान हुए एक हादसे में दोनों की मौत हो गई। कृष्ण कुमार का एकमात्र बेटा रोहित कृष्णकुमार ब्रिटेन में मैनचेस्टर विश्वविद्यालय में तीसरे वर्ष का मेडिकल छात्र था। अपने बेटे का अंतिम संस्कार करके केरल से लौटने के बाद कृष्ण कुमार ने अपना समय समाज सेवा में बिताना शुरू कर दिया। कृष्ण कुमार लंबे समय से सामाजिक सेवा में लगे रहे हैं। बेटे जाने के दुख से जहां उनकी पत्नी अभी तक उबर नहीं पाई हैं, वहीं कृष्ण कुमार सामाजिक सेवा में अपने आपको व्यस्त रखकर रोहित के जाने के दुख को भुलाने में लगे हैं। कोरोना संकट के बीच कृष्ण कुमार ने ऑल केरला कॉलेज एल्मुनाई फेडरेशन वॉलंटियर ग्रुप को अपना समर्थन दिया। इस समूह को केरल के 150 कॉलेजों के छात्रों ने मिलकर बनाया है। यह समूह जरूरतमंद लोगों को खाने का किट और मेडिकल सहायता मुहैया करा रहा है साथ ही जो लोग घर नहीं लौट पा रहे हैं, उनके लिए टिकट मुहैया करा रहा है।

कृष्ण कुमार ने अपने खर्चे से 61 भारतीयों को चार्टर्ड फ्लाइट से भारत वापस भेजा। टीएन कृष्णकुमार ने बताया की बेटे की मौत से वे टूट गए थे जिसके बाद से उन्होने खुद को दूसरों की भलाई और मदद के कामों में लगा दिया। उन्होंने कहा, जीवन में जब ऐसा कुछ होता है, तब समझ में आता है कि पैसा ही सब कुछ नहीं होता।

खतरनाक त्रासदीः ऑस्ट्रेलियाई जंगलों की आग में मारे गए 3 अरब जानवर

सिडनी।

पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग ने भयंकर तबाही मचाई। इस आग पर हुए एक शोध में वैज्ञानिकों ने दिल दहलाने वाला खुलासा किया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस भयानक आपदा के चलते करीब तीन अरब जानवर या तो मारे गए या या फिर उन्हें भागना पड़ा। वैज्ञानिकों ने अपने शोध में कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग में करीब तीन अरब जानवर प्रभावित हुए जिनमें स्तनधारी जानवर, कीड़े-मकोड़े, सांप, रेंगनेवाले जानवर, चिड़िया और मेढक या तो जल कर या अपना प्राकृतिक निवास नष्ट हो जाने से मर गए। इस आग के बाद वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर ने एक आयोग का गठित किया था जिसने अपनी रिपोर्ट में पाया है कि पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग वन्य जीवन के लिए आधुनिक इतिहास की सबसे खतरनाक त्रासदी थी। सितंबर 2019 से फरवरी 2020 के बीच ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में भयानक आग लगी थी जिसने ऑस्ट्रेलिया के सभी राज्यों में तबाही मचाई व जंगलों को राख कर दिया और कम से कम 33 लोगों की जान भी ली थी। इस पर हुए शोध की रिपोर्ट में कहा गया कि जनवरी में जंगल की आग जब अपनी चरमसीमा पर थी उस समय वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया था कि करीब 1 अरब 25 करोड़ जानवर सिर्फ न्यू साउथ वेल्स और विक्टोरिया में मारे गए हैं। लेकिन अब जो नए आंकड़े आए हैं उनके मुताबिक करीब 11.46 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में जो कि इंग्लैंड के बराबर है। ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी के 10 वैज्ञानिकों के इस प्रोजेक्ट के प्रमुख प्रोफेसर क्रिस डिकमैन ने कहा, जब आप यह सोच रहे हैं कि करीब तीन अरब जानवर आग के शिकार हुए हैं तो यह बहुत बड़ी संख्या है, इसका अंदाज़ा लगाना भी बहुत मुश्किल है। हालांकि ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने वन्य जीवन और प्राकृतिक आवास की दोबारा बहाली के लिए तीन करोड़ 50 लाख अमरीका डॉलर की घोषणा की है लेकिन पर्यावरणविदों का कहना है कि सरकार को अपने प्राकृतिक संरक्षण क़ानून को और मजबूत करने की जरूरत है। ऑस्ट्रेलिया ने जंगलों में लगी आग और उससे हुए नुकसान के अध्ययन के लिए एक जांच आयोग का गठन किया है जो कि अक्टूबर में अपनी रिपोर्ट देगी। वैज्ञानिकों का यह भी कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण ऑस्ट्रेलिया में गर्मी का मौसम लंबा खिंच रहा है और यह खतरनाक होता जा रहा है। सर्दी का मौसम छोटा होने के कारण जंगलों की आग पर रोकथाम का काम नहीं हो पा रहा है।

ईरान ने फिर अमेरिका को धमकाया, एयरक्राफ्ट कैरियर पर दागी मिसाइल

इंटरनेशनल डेस्क। चीन के साथ टेंशन के बीच ही अमेरिका और ईरान के बीच भी तनातनी चल रही है। ईरान की अमेरिका के खिलाफ कार्रवाई जारी है इसी क्रम में ईरान के अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने 28 जुलाई को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होरमुज़ जलडमरूमध्य में एक नकली विमान वाहक पोत पर हेलीकॉप्टर के जरिए मिसाइल से हमला किया। यह एक मॉक ड्रिल था, जिसका उद्देश्य तेहरान और वॉशिंगटन में बढ़े तनावों के बीच अमेरिका को धमकी देना था। ईरान के स्टेट टेलीविज़न की रिपोर्ट में बताया गया है कि ईरानी कमांडो भी ग्रेट प्रोफेट 14 नामक अभ्यास के दौरान विमान वाहन की इस प्रतिकृति पर एक हेलीकॉप्टर से तेजी से हमला करते नजर आए। अन्य फुटेज में एक हेलीकॉप्टर को प्रतिकृति पर एक मिसाइल दागते हुए दिखाया गया, जिसमें बोर्ड पर 16 फर्जी फाइटर जेट्स थे, जबकि तेज नौकाओं ने जहाज को घेर लिया, जिससे समुद्र में सफेद लहर दौड़ गई। ईरानी सैनिकों ने ड्रोन को लक्ष्य कर एक जगह से एंटी-एयरक्राफ्ट बैटरियों से भी निशाना साधा। स्टेट टेलीविजन की रिपोर्ट के अनुसार, यह अभ्यास बंदर अब्बास के पास किया गया। विमान वाहक पोत की प्रतिकृति निमित्ज़-श्रेणी जैसी दिखती है जिसे अमेरिकी नौसेना नियमित रूप से जलमार्ग के संकीर्ण हिस्से- होरमुज के जलडमरूमध्य से फारस की खाड़ी भेजती रहती है।यूएसएस निमित्ज श्रेणी का यह पोत पिछले सप्ताह ही हिंद महासागर से मध्य-पूर्व के समुद्री क्षेत्र में आया है। अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है एक के अबू धाबी में अल दाफरा एयरबेस पर अमेरिकी सैनिकों के साथ ही अल-उदीद एयरबेस जो कि कतर में अमेरिकी सेना के मध्य कमान का मुख्यालय है, को अलर्ट पर रखा गया है।

कोरोना वैक्सीन को लेकर जल्द मिलेगी खुशखबरी ! दुनिया का सबसे बड़ा ह्यूमन ट्रायल सफलता की ओर

न्यूयार्क।

कोरोना वायरस के इस दौर में पूरी दुनिया खौफजदा है। तेजी से फैली इस महामारी से अब तक लाखों लोगों की जान जा चुकी है और करोड़ों संक्रमण के शिकार हो चुके हैं। कोरोना के ईलाज के लिए कई देशों में प्रभावी वैक्सीन का मानव ट्रायल चल रहा है और जल्द ही इसको लेकर बड़ी खुशखबरी मिलने की उम्मीद है। अमेरिका में नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ तथा मॉडर्ना इंक द्वारा विकसित कोविड-19 वैक्सीन का अंतिम चरण का परीक्षण शुरू हो गया है जिसमें लगभग 30 हजार अमेरिकी भाग ले रहे हैं। इसे दुनिया का सबसे बड़ा ह्यूमन ट्रायल माना जा रहा है जो तेजी सफलता की ओर बढ़ रहा है। मॉडर्ना कंपनी के मुख्य कार्याधिकारी स्टीफन बैंसेल ने कहा, हम गति पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं क्योंकि हमारे लिए हर दिन मायने रखता है। इस बीच बड़ी उम्मीद यह है कि मॉडर्ना की वैक्सीन बंदरों पर हुए ट्रायल में पूरी तरह से कारगर साबित हुई है। न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन में कहा गया है कि अमेरिका की बायोटेक फर्म मॉडर्ना की कोविड-19 वैक्सीन ने बंदरों पर हुए ट्रायल में एक मजबूत इम्यून रिस्पॉन्स विकसित किया है। साथ ही यह कोविड-19 वैक्सीन बंदरों की नाक और फेफड़ों में कोरोना वायरस को अपनी कॉपी बनाने से रोकने में भी सफल रही। अंतिम चरण का परीक्षण अमेरिका में विभिन्न स्थानों पर सोमवार को शुरू हुआ। बिंघमटन, न्यूयॉर्क में टीका लगवाने वाली 36 वर्षीय नर्स मेलिसा हार्टिंग ने कहा, मैं इसका हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। यह बहुत बड़ी चीज है। उन्होंने कहा, इस बीमारी के उन्मूलन के लिए हमारी तरफ से यह प्रयास मेरे लिए महत्वपूर्ण है। टीके के अंतिम चरण के परीक्षण के परिणाम आने में महीनों लगेंगे और इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि परिणाम सकारात्मक ही होंगे। पूरी दुनिया में कोरोना वायरस लगभग साढ़े छह लाख लोगों की जान ले चुका है। अमेरिका में इससे लगभग डेढ़ लाख लोगों की मौत हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने खुलासा किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट ओ ब्रायन कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ के निदेशक फ्रांसिस कोलिन्स ने अंतिम चरण के परीक्षण में सावन्नाह, जॉर्जिया में सुबह पौने सात बजे पहला टीका दिए जाने के बाद कहा, यह महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। स्टडी के मुताबिक, वैक्सीन ने वायरस को बंदर के नाक में कॉपी करने से रोका और यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण इसलिए भी है क्योंकि इससे संक्रमण का दूसरों तक फैलना रुक जाता है। यहां यह ध्यान देने वाली बात है कि जब ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी की वैक्सीन का बंदरों पर ट्रायल हुआ था, तब ठीक इसी तरह के परिणाम सामने नहीं आए थे। वैक्सीन का बंदरों पर ट्रायल हुआ था, तब ठीक इसी तरह के परिणाम सामने नहीं आए थे। हालांकि, उस वैक्सीन ने वायरस को जानवरों के फेफड़ों में प्रवेश करने और उन्हें बहुत बीमार होने से रोक दिया था।

संक्षिप्त समाचार

जापान में भारी बारिश के बाद बाढ़ के हालात, भूस्खलन की चेतावनी

टोक्यो। जापान के उत्तरी क्षेत्रों में बुधवार को भारी बारिश हुई जिससे आवासीय क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। यहां भूस्खलन की चेतावनी जारी की गई। रातभर हुई बारिश के बाद यमगता में मोगामी नदी में आई बाढ़ से कई शहर जलमग्न हो गए। मुख्य सरकारी प्रवक्ता योशिशिदे सुगा ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निकटवर्ती अकिता क्षेत्र में एक अन्य नदी में भी उफना गई। सुगा ने संवाददाताओं से कहा कि किसी की मौत होने की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि लोगों को खतरे वाले स्थानों से दूर चले जाने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि मिट्टी सरकने के कारण एक क्षेत्र में पांच सौ लोग फंस गए। टीवी फुटेज में बचाव एवं राहत कर्मियों को रबड़ की नाव चलाते और फंसे हुए लोगों खोजते देखा गया। बुलेट ट्रेन सेवा और कुछ राजमार्ग बंद हैं। टोक्यो के आसपास कुछ क्षेत्रों में बुधवार को भारी बारिश की आशंका है।

सुडान में डाकूओं के हमले में 17 लोगों की मौत, 9 घायल

इंटरनेशनल डेस्क। दक्षिण सुडान के जोंगलेई राज्य में हथियारबंद डाकूओं के हमले में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। जोंगलेई राज्य के पुलिस आयुक्त जोशेप मायेन अकून ने बताया कि हथियारबंद डाकूओं ने बोर प्रांत के माकोल-कुई गांव में सोमवार को हमला किया और तीन बच्चों को अगवा कर कई घरों में आग लगा दी। इस हमले में 17 लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। घायलों को बोन टिचिंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। श्री अकून ने बताया कि उन्हें विश्वास है कि हमला करने वाले ग्रेटर पिबोर इलाके से आए थे। उन्होंने कहा कि इस हमले में इस इलाके में काफी नुकसान पहुंचा है और मरने वालों महिला, युवा और बच्चे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों में गश्त करने और नागरिकों की हत्या को रोकने के लिए सुरक्षा सुद्दढीकरण भेजा है। अकून ने कहा,''पुलिस के पास पर्याप्त हथियार नहीं हैं, लेकिन हम पूरी कोशिश कर रहे हैं कि कानून के रक्षकों को क्षेत्र में जल्द से जल्द भेजा जाए ताकि आगे की झड़पों को रोका जा सके। इस बीच सूत्र की रिपोर्ट के मुताबिक अब तक 28 लोगों की मौत हुई है और 10 बच्चों का अपहरण हुआ है तथा 19 अन्य घायल हुए हैं।

राष्ट्रपति जिनपिंग के नेतृत्व में बेहद आक्रामक हो गया चीन, कर रहा दुनिया को परेशान : निक्की हेली

वाशिंगटन। अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने संयुक्त राष्ट्र में राष्ट्रपति शी जिनपिंग पर निशाना साधते हुए कहा कि शी के नेतृत्व में चीन का व्यवहार और आक्रामक तथा परेशान करने वाला हो गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि यह रवैया ज्यादा समय तक नहीं चल सकता। भारतीय-अमेरिकी हेली ने एक साक्षात्कार में कहा कि संयुक्त राष्ट्र में उनके कार्यकाल के दौरान चीन शांत और रणनीतिक था। वह यह सुनिश्चित करते थे कि कुछ निश्चित क्षेत्रों में उन्हें जगह मिले और अपने कामों को वे गुपचुप तरीके से अंजाम देने की कोशिश करते थे। हेली ने आरोप लगाया, '' फिर जैसे ही राष्ट्रपति शी ने खुद को एक तरह से राजा घोषित किया, वे बहुत ही आक्रामक हो गए, परेशान करने लगे। उन्होंने देशों पर दबाव सा बनाते हुए सीधे-सीधे अपने पक्ष में मतदान करने को कहना शुरू कर दिया। संयुक्त राष्ट्र में पद और नेतृत्व की भूमिकाओं की मांग करते हुए उन्होंने अपना रूख आक्रामक कर लिया और सभी को नीचा दिखाने लगे। हैली ने कहा कि 'बेल्ट एंड रोड पहल के साथ चीन ने वास्तव में इन अवसंरचनाओं को खरीदने या बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर छोटे देशों के साथ साझेदारी करने की कोशिश शुरू कर दी उन्होंने कहा, '' देशों को उनका रवैया पसंद नहीं आ रहा। अब हम देखते हैं कि उसका रवैया कितना आक्रामक हो गया है। हैली ने कहा कि 'बेल्ट एंड रोड पहल के साथ चीन ने वास्तव में इन अवसंरचनाओं को खरीदने या बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर छोटे देशों के साथ साझेदारी करने की कोशिश शुरू कर दी उन्होंने कहा, '' देशों को उनका रवैया पसंद नहीं आ रहा। अब हम देखते हैं कि उसका रवैया कितना आक्रामक हो गया है। लेकिन यह लंबे समय तक नहीं चलेगा। जब कोई देश अपने लोगों को स्वतंत्रता नहीं देता, वहां यकीनन एक समय ऐसा आता है जब लोग विद्रोह कर देते हैं। हेली ने 2018 में संयुक्त राष्ट्र में अपने पद से इस्तीफा दिया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नौसेना ने चीन के साथ सीमा विवाद के बाद हिंद महासागर क्षेत्र में तैनाती बढ़ाई : सूत्र

नई दिल्ली।

भारतीय नौसेना ने पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद के मद्देनजर चीन को स्पष्ट संदेश देने के लिए हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में अग्रिम पंक्तियों के युद्धपोतों तथा पनडुब्बियों को बड़ी संख्या में तैनात किया है। एक शीर्ष रक्षा सूत्र ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक सूत्र ने बताया कि चीन इस संदेश को समझ गया है। भारतीय नौसेना ने गलवान घाटी में 15 जून को हिंसक झड़पों में भारत के 20 जवानों की शहादत के बाद बढ़ते तनाव के बीच हिंद महासागर क्षेत्र में युद्धपोत और पनडुब्बियों को तैनात किया था। रक्षा सूत्रों ने कहा कि सरकार ने थल सेना, वायु सेना और नौसेना के साथ मिलकर बहुपक्षीय तरीका अपनाते हुए तथा राजनयिक एवं आर्थिक कदमों के साथ चीन को यह कड़ा और स्पष्ट संदेश दिया है कि पूर्वी लद्दाख में उसका दुस्साहस बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि हालात से निपटने में और चीन को भारत के स्पष्ट संदेश से अवगत कराने में समन्वित प्रयासों के लिए तीनों सेना प्रमुख नियमित रूप से बातचीत कर रहे हैं। एक सूत्र ने कहा, च्च्हां, चीन हमारे संदेश को समझ गया है। क्या चीन ने भारत द्वारा की गयी तैनातियों पर कोई प्रतिक्रिया दी है, इस पर सूत्रों ने कहा कि आईओआर में चीनी जहाजों की गतिविधियां बढ़ती नहीं दिखाई दीं। उन्होंने कहा कि इसका कारण यह हो सकता है कि क्षेत्र में बीजिंग के विस्तारवादी क्षेत्रीय दावों पर अमेरिका के कड़े विरोध के बाद दक्षिण चीन सागर में पीएलए की नौसेना ने बड़ी संख्या में अपने संसाधनों को लगाया है। अमेरिका ने नौवहन की स्वतंत्रता का संदेश देने के लिए दक्षिण चीन सागर में बड़ी संख्या में युद्धपोत भेजे थे और इस क्षेत्र में चीन के साथ क्षेत्रीय विवाद रखने वाले देशों को समर्थन जताया था। भारतीय नौसेना तेजी से उभरते क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य के मद्देनजर अमेरिका तथा जापान जैसे अनेक मित्र देशों के नौसैनिक बलों के साथ अपने अभियान संबंधी सहयोग को भी बढ़ा रही है। भारतीय नौसेना ने पिछले कुछ हफ्तों में आईओआर में अमेरिका, फ्रांस तथा जापान की नौसेनाओं के साथ अभ्यास किये हैं जिसे चीन को संदेश देने के तौर पर देखा जा रहा है। अमेरिकी नौसेना के साथ अभ्यास में परमाणु ऊर्जा संचालित विमान वाहकपोत यूएसएस निमित्ज के नेतृत्व वाला समूह शामिल रहा। भारतीय नौसेना क्षेत्र में समान विचार वाले देशों की नौसेनाओं के साथ भी सहयोग बढ़ा रही है ताकि समुद्र में संचार के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मार्गों को किसी भी प्रभाव से मुक्त रखा जा सके। भारत, जापान और अमेरिका उस चतुष्कोणीय गठबंधन का हिस्सा हैं जिसमें ऑस्ट्रेलिया भी शामिल है। चारों देशों ने नवंबर 2017 में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को किसी भी प्रभाव से सुरक्षित रखने के लिहाज से नयी रणनीति विकसित करने के लिए चतुष्कोणीय गठजोड़ को आकार दिया था। गलवान घाटी के संघर्ष के बाद वायु सेना ने पूर्वी लद्दाख के प्रमुख वायुसैनिक केंद्रों तथा वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अन्य स्थानों पर भी अपने अगली पंक्ति के लगभग सभी लड़ाकू विमानों को तैनात कर दिया था जिनमें सुखोई 30 एमकेआई, जगुआर और मिराज 2000 शामिल हैं।

साध्वी प्रज्ञा को मिली जान से मारने की धमकी, राम मंदिर भूमिपूजन से जुड़ा है मामला

भोपाल।

भोपाल की बीजेपी सांसद प्रज्ञा ठाकुर को किसी अज्ञात नंबर से से धमकी दी है। इस मामले की रिपोर्ट कमला नगर थाने में दर्ज की गई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। फोन करने वाले शख्स ने साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के लिए अपशब्दों का भी प्रयोग किया है। बताया जा रहा है कि साध्वी प्रज्ञा को ये फोन राम मंदिर पर दिए गए, उनके बयान के बाद से आ रहे हैं। हालांकि साध्वी प्रज्ञा का कहना है कि मैं डरुंगी नहीं। देशभक्ति पहले हैं, बाकी सब कुछ बाद में। जानकारी के अनुसार, अयोध्या में राम मंदिर भूमिपूजन से जुड़े बयान को लेकर भोपाल से भारतीय जनता पार्टी की सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर को धमकी मिली है। ये धमकी उन्हें फोन पर दी गई है। सांसद ने पुलिस में इसकी रिपोर्ट दर्ज करा दी है। पुलिस फोन नंबर के जरिए आरोपी की तलाश कर रही है। सांसद प्रज्ञा ठाकुर का कहना है अज्ञात फोन नंबर से कई कॉल आए और उन्हें धमकाया गया। मुझे, पीएम मोदी और अमित शाह को गालियां दी है। राम मंदिर निर्माण को लेकर भी धमकियां दी है। मैंने हनुमान चालीसा के जरिये कोरोना ठीक होने की बात कही थी जिस पर धमकी में कहा हनुमान चालीसा खूब पढ़वाओं। बताया जा रहा है कि फोन करने वाले ने राम मंदिर भूमि पूजन सहित कई मुद्दों का जक्रि करते हुए सांसद से अभद्रता पूर्वक बातचीत की। साथ ही उन्हें धमकी भी दी है। सूत्रों के मुताबिक धमकी देने वाले ने प्रज्ञा सिंह ठाकुर के अलावा भाजपा के कई बड़े नेताओं के लिए भी अभद्र भाषा का प्रयोग किया। साध्वी प्रज्ञा ठाकुर के अनुसार, धमकी देने वाले ने कहा-खूब हनुमान चालीसा करवाओ पर जिंदा नहीं बचोगे। आपको बता दें कि इससे पहले भी कुछ माह पूर्व प्रज्ञा ठाकुर के घर डाक से एक लिफाफा पहुंचा था, जिसमें संदिग्ध सफेद पाउडर था और उन्हें धमकी दी गई थी। बाद में आरोपी महाराष्ट्र से पकड़ा गया था। उन्हें धमकी दी गई थी। बाद में आरोपी महाराष्ट्र से पकड़ा गया था। पुलिस के मुताबिक वो मामला आरोपी के पारिवारिक कलह का था। उसने अपने परिवार को फंसाने के लिए ये तरीका अपनाया था।

कोरोना वायरस का तांडव जारी: चीन में फिर बिगड़े हालात, दुनिया में सबसे तेज भारत में बढ़ रहा संक्रमण

इंटरनेशनल डेस्क। कोरोना वायरस से संक्रमण और मौतों का तांडव लगातार जारी है। दुनिया भर में कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 1.69 करोड़ से अधिक हो गई है। सबसे ज्यादा संक्रमण के मामले में अमेरिका पहले पायदान पर है। ब्राजील दूसरे और भारत तीसरे पायदान पर है। दुनिया भर में कोरोना से ठीक होने वाले लोगों की संख्या भी 1.04 करोड़ हो चुकी है। अमेरिका में कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या 45 लाख हो चुकी है, जबकि 1.52 लाख से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। भारत में अब कोरोना महामारी का संक्रमण दुनिया में सबसे तेजी के साथ बढ़ रहा है। ब्लूमबर्ग कोरोना वायरस ट्रैकर के मुताबिक पिछले सप्ताह के मुकाबले इसमें 20 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। कोरोना के कुल केसों के मामले में भारत दुनिया भर में अमेरिका और ब्राजील से ही पीछे है। भारत और ब्राजील में सबसे कम टेस्ट किए गए हैं। भारत में प्रति हजार लोगों पर 11.8 और ब्राजील में 11.93 टेस्ट किए जा रहे हैं। दूसरी तरफ अमेरिका में प्रति हजार लोगों पर 152.98 और रूस में 184.34 टेस्ट हो रहे हैं। देश में मंगलवार को लगातार छठे दिन कोरोना के 45 हजार से ज्यादा नए केस आए। 24 घंटों के दौरान आए मामलों की संख्या 47,704 थी।

कोविड-19 सेंटर पर कोरोना पॉजिटिव मरीज ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, मचा हड़कंप

छतरपुर। छतरपुर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत महोबा रोड पर स्थित कोविड-19 सेंटर पर कोरोना पॉजिटिव युवक ने फांसी लगा ली। इसके बाद स्थानिया लोगों व प्रशासन में हड़कंप मच गया। समीर खान नाम के इस युवक ने यह कदम क्यों उठाया इसके कारण अज्ञात है। मौके पर पहुंचे छतरपुर पुलिस ने जांच शुरु कर दी है। मौत पर प्रशासनिक व्यवस्था पर कई सवाल उठ रहे हैं। यह घटना कोतवाली थाने के महोबा रोड़ पर स्थित शासकीय उत्कर्ष सीनियर छात्रावास में घटित हुई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और मृतक के शव को फंदे से उतारा। कोरोना पॉजिटिव युवक समीर अहमद ने फांसी लगाई है। सूत्रों के मुताबिक मृतक ने डिप्रेशन में आकर फांसी लगाई है। वहीं फांसी लगाने के कारणों पुलिस और प्रशासनिक पुष्टि नहीं हो सकी अब तक कारण अज्ञात है। बताया जा रहा है कि कोविड-19 सेंटर का मुआयना करने देर रात्रि 10: 00 बजे कमिश्नर और कलेक्टर भी कोविड-19 सेंटर का मुआयना करने पहुंचे थे। कलेक्टर भी कोविड-19 सेंटर का मुआयना करने पहुंचे थे। आखिर वहां ऐसा क्या हुआ कि समीर को आत्महत्या करनी पड़ी।

बाबरी मस्जिद ढहाने में राजीव गांधी और नरसिम्हा राव का हाथ: ओवैसी

नेशनल डेस्क।

राम मंदिर के भूमि पूजन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने से नाराज होने के बाद अब एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। अब उन्होंने बाबरी मस्जिद विध्वंस में कांग्रेस के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों, राजीव गांधी और पीवी नरसिम्हा राव की भूमिका होने का आरोप लगाया है। दरअसल एक ट्वीट में कांग्रेस के कुछ नेताओं के हवाले से लिखा गया कि राम मंदिर भूमि पूजन समारोह भाजपा-आरएसएस का कार्यक्रम है जिसमें शामिल होने का न्योता कांग्रेस के किसी नेता को नहीं दिया गया है। ओवैसी ने इस ट्वीट को रिट्वीट करते हुए लिखा कि हमें उन्हें श्रेय दिया जाना चाहिए जो इसके असली हकदार हैं। आखिरकार राजीव गांधी ने ही तो बाबरी मस्जिद के ताले फिर से खुलवाए थे और बतौर प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने अपनी देखरेख में इसे गिरवाया था। मस्जिद ध्वस्त करने के आंदोलन में कांग्रेस भीतर-भीतर संघ परिवार से मिली हुई थी। वहीं इससे पहले ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच अगस्त को अयोध्या में राममंदिर भूमिपूजन में शामिल होने के लिए वहां जाने को लेकर सवाल उठाते हुए इसे संवैधानिक शपथ का उल्लंघन बताया था।उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री का आधिकारिक रूप में भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल होना उनके संवैधानिक शपथ का उल्लंघन होगा। धर्मनिरपेक्षता संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा है। हम इस बात को नहीं भूल सकते हैं कि बाबरी मस्जिद 400 वर्षों तक अयोध्या में खड़ी थी और 1992 में इसे एक आपराधिक भीड़ ने ढहा दिया था। वहीं इससे पहले ओवैसी ने कहा था कि नरेंद्र मोदी को देश के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यक्रम में शामिल नहीं होना चाहिए। वह निश्चित तौर पर व्यक्तिगत रूप में इस समारोह में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री को भी धार्मिक स्वतंत्रता है।

प्रत्येक भारतीय नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता है। लेकिन मैं प्रधानमंत्री से जानना चाहता हूं कि क्या भारत सरकार का कोई धर्म है? नहीं, क्योंकि संविधान स्पष्ट रूप से कहता है कि धर्मनिरपेक्षता संविधान की मूल अवसंरचना का एक हिस्सा है।

पार्रिकर को याद कर भावुक हुए लोग, बोले- आपके कारण हिंदुस्तान की धरती में राफेल

नेशनल डेस्क।

धरती मां की रक्षा करने के लिए राफेल भारत में आ चुका है। पूरा देश बांहे फैलाकर इस अत्याधुनिक युद्धक विमान का स्वागत कर रहा है। इस गर्व के पल में जो एक नाम सबकी जुबान में है वो है पूर्व रक्षा मंत्री मनोहर पार्रिकर का। लोगों का कहना है कि आज पार्रिकर को सच्ची श्रद्धांजलि मिली है। याद हो ही सालों सी अधूरी पड़ी राफेल फाइटर प्लेन की डील भी रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर की अगुवाई में पुरी हुई। भारत और फ्रांस के बीच राफेल फाइटर प्लेन के सौदे पर सितंबर 2016 में हस्ताक्षर हुए थे। भारत दौरे पर आए फ्रांस के रक्षा मंत्री ज्यां यीव ली ड्रियान और रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। पर्रिकर ने इस सौदे पर अपनी पूरी ताकत चीन की चुनौती से निपटने के लिए लगाई थी। सोशल मीडिया पर लोग स्वर्गीय मनोहर पर्रिकर जी को याद कर उन्हे सलाम कर रहे हैं। एक ट्विटर यूजर ने लिखा कि स्वर्गीय मनोहर पर्रिकर जी के कारण यह सब संभव हो पाया है। आज भारत राफेल समेत कई रक्षा खरीद को अंजाम दे रहा है। उन्होंने ही रक्षा खरीद के लिए अमेरिकी अकाउंट में रखे गए 3 अरब डॉलर से ज्यादा रकम की याद दिलाई।

राहत : इन तीन राज्यों में कोरोना से अब तक पांच लाख से अधिक लोग हुए ठीक

नई दिल्ली।

कोरोना वायरस (कोविड-19) से देश में सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र, दिल्ली और तमिलनाडु में अब तक 5,16,740 लोग इस महामारी से ठीक हुए हैं, जो इस संक्रमण से निजात पा चुकी देश की कुल आबादी का 52.31 प्रतिशत है। महाराष्ट्र में इस महामारी से जहां अब तक 232277 मरीज ठीक हुए है, वहीं दिल्ली में 117507 और तमिलनाडु में 166956 मरीज इस महामारी से निजात पा चुके हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी किये गये आंकड़ों के मुताबिक देश भर में अब तक 9,88,029 लोग इस महामारी से निजात पा चुके हैं। देश में इस समय कोरोना के 5,09,447 सक्रिय मामले हैं और 34193 लोगों की मौत हुई है तथा संक्रमितों की कुल संख्या 15.31 के पार पहुंच गई है। आंध्र प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान देश भर में सर्वाधिक 4,826 सक्रिय मामले बढ़े हैं जिससे कुल सक्रिय मामले 56,527 हो गये और 1,148 लोगों की मौत हुई है। यहां 52,622 लोग सक्र मणमुक्त हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में 27,934 सक्रिय मामले हैं तथा इस महामारी से 1,497 लोगों की मौत हुई है जबकि 44,520 मरीज ठीक हुए हैं। देश का पूर्वी राज्य पश्चिम बंगाल संक्रमण के मामले में छठे स्थान पर पहुंच गया है। राज्य में कोरोना वायरस के 19,493 सक्रिय मामले हैं तथा 1,449 लोगों की मौत हुई है।

कोरोना का कहर: बेटे की मौत के बाद परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़, पिता पर अब भी है 7 लाख का कर्ज

नई दिल्ली।

अंबेडकर अस्पताल में कोरोना से जंग हारने वाले रेजीडेंट्स डॉक्टर जोगिंदर चौधरी के किसान पिता राजेन्द्र चौधरी इस घटना से पूरी तरह टूट से गए है। कुदरत ने उनके साथ कैसा खेल खेला जब परिवार वाले बहू ढूंढने जाने का सोच रहे थे, तब बेटे का तीसरा करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। उनका सबकुछ लुट सा गया है। बड़े बेटे की मौत ने उन्हें तोड़कर रख दिया है। जोगिंदर को जब एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए चीन भेजना था, तो पिता के पास इतने पैसे नहीं थे, इसलिए उन्होंने अपना घर ही बेचकर18 लाख रुपए में दिया था। इससे जो पैसा आया, उसी से बेटे का एमबीबीएस पूरा हो पाया था। घर बेचने के बाद परिवार गांव में ही किराये के घर में रहने लगा था। परिवार पर अभी भी करीब 7 लाख रुपए का कर्जा है। पहले जो पैसा जोड़ा था, वो सब बेटे की पढ़ाई में ही लग गया था। पिता ने कहा, हमने सगाई की तारीख पहले ही तय कर दी थी, बेटा बीमार पड़ा तो सोचा तब तक ठीक हो जाएगा, लेकिन अनहोनी को कौन टाल सकता है। वह कोरोना से दूसरों को बचाते हुए खुद कोरोना से हार गया। उसकी ड्यूटी अंबेडकर अस्पताल के कोरोना वार्ड में लगी थी। पिता ने रोते हुए बताया कि बेटे ने 6 महीने पहले ही अंबेडकर अस्पताल में जॉइन किया था। जब उसने बताया कि वह कोरोना वार्ड में ड्यूटी कर रहा है, तो मन में हमेशा डर बना रहता था, लेकिन हमें फक्र भी था कि बेटा देश सेवा कर रहा है, लेकिन यह नहीं पता था कि वह इतनी जल्दी हमसे विदा ले लेगा। जून में उसकी शादी तय हुई थी। अंबेडकर अस्पताल के एक डॉक्टर ने बताया कि डॉ. जोगिंदर पूरी से स्वस्थ थे। इन्हें कोई दूसरी बीमारी नहीं थी। सिर्फ बुखार लगा उसके बाद उनके गले में दिक्कत आने लगी। वे पूरी तरह से फिट थे। वे फुटबॉल खेलते थे जिम जाते थे। हमें भी उम्मीद था कि वे ठीक होकर वापस आ जाएंगे, लेकिन यह हमारे लिए भी बहुत दुख की बात है कि इतना फिट आदमी कोरोना से नहीं लड़ पाया। डा. जोगिंदर को 24 जून से ही बुखार आना शुरू हो गया था। कोविड की जांच की गई तो 27 जून को उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई उसके बाद उसे एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, लेकिन उनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हो रहा था। पिता राजेंद्र ने बताया कि मैंने एलएनजेपी अस्पताल से अनुरोध किया कि उसे दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया जाए, लेकिन अस्पताल वालों ने कहा कि उसकी स्थिति अभी सही नहीं है। दूसरे अस्पताल में शिफ्ट करने में रिस्क है। ऐसे में इलाज एलएनजेपी में ही जारी रहा। वहां दिन पर दिन उनकी स्थिति बिगड़ती जा रही थी। उनका प्लाज्मा थेरेपी के जरिए भी इलाज किया गया लेकिन हालात में कोई सुधार नहीं हुआ। जब जोगिंदर की हालत काफी बिगड़ गई तो उन्हें जुलाई में गंगाराम अस्पताल में शिफ्ट करवाया। तब तक काफी देर हो चुकी थी। पिता ने बताया कि गंगाराम अस्पताल में प्रतिदिन का फीस 50 से 60 हजार रुपए थी। कई डॉक्टरों ने हमारी मदद की, बस मैं चाहता था कि मेरे बेटा किसी तरह से ठीक हो जाए। डॉक्टर बोल रहे थे कि धीरे-धीरे वह ठीक हो जाएगा, लेकिन शनिवार देर रात उसकी मौत हो गई। अपने दोस्त के इलाज के लिए अंबेडकर अस्पताल के डॉक्टरों ने पैसे जुटाए थे। इसके अलावा डॉक्टर के पिता ने गंगा राम अस्पताल प्रशासन को पत्र लिख कर इलाज में राहत देने की मांग की थी।

दिल्ली में महंगे होटलों में बनाए गए कोरोना केंद्र होंगे बंद, कम होते मामलों के बाद केजरीवाल का फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी में कोरोना संक्रमितों की संख्या में तेजी से आ रही गिरावट को देखते हुए अस्पतालों से जोड़कर महंगे होटलों में बनाए गए कोरोना देखभाल केंद्रों को बंद करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने बुधवार को ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। केजरीवाल ने कहा कि मरीजों की संख्या बढने की आशंका को देखते हुए कुछ होटलों को कोरोना अस्पतालों से सम्बद्ध किया गया था। संक्रमण की स्थिति में आए सुधार को ध्यान में रखते हुए अब इन्हें बंद करने का फैसला किया गया है। सरकार ने 25 से ज्यादा होटलों में कोविड देखभाल केंद्र बनाये थे। दिल्ली में बीते कुछ समय से मरीजों की संख्या घटती जा रही है। अब अस्पताल में भी मरीजों की संख्या कम हो रही है। वर्तमान में काफी संख्या में बेड खाली हैं। मरीज नहीं मिलने के कारण होटल संचालक लगातार सरकार और जिला प्रशासन से अपने होटल को छूट देने की मांग कर रहे थे। उनका कहना था कि मरीज नहीं मिलने के कारण उनका खर्च नहीं निकल रहा है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के जून अंत में दिल्ली में सवा दो लाख और जुलाई अंत तक साढ़े पांच लाख मरीज होने की आशंका के बाद बड़े स्तर पर प्रबंध किये गए थे। इसी क्रम में केंद्र ने छतरपुर के भाटी माइंस के राधा स्वामी सत्संग ब्यास में दस हजार बिस्तरों का सरदार वल्लभभाई पटेल कोविड-19 देखभाल केंद्र बनाया गया था। इसके अलावा 8000 बिस्तरों की व्यवस्था के लिये 500 रेलवे कोच दिये गए थे। केजरीवाल ने कोरोना की जांच के मौजूदा दिशा-निर्देश के जिक्र करते हुए कहा कि यदि किसी भी मरीज का एंटीजेन टेस्ट का एंटीजेन टेस्ट नेगेटिव है, किंतु लक्षण हैं, तो उसका आरटी-पीसीआर टेस्ट किया जाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

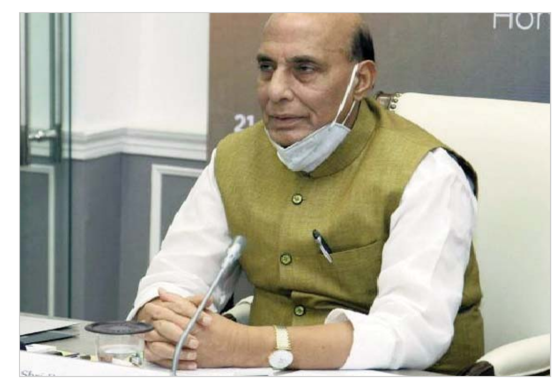

राफेल की हैप्पी लैंडिंग पर बोले राजनाथ- सेना के इतिहास में नए युग की शुरुआत, अब दुश्मन करें चिंता

नेशनल डेस्क। भारतीय वायुसेना में बुधवार को पांच राफेल जेट शामिल हुए। फ्रांस से सोमवार को रवाना हुए पांचों राफेल लड़ाकू विमानों की बुधवार को हरियाणा के अंबाला में सेफ और हैप्पी लैंडिंग हुई। इसी के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया राफेल का टचडाउन का वीडियो। राफेल के भारत आने पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सेना के इतिहास में एक नए युग की शुरुआत है। राजनाथ सिंह ने कहा कि राफेल से वायुसेना की शक्ति में क्रांतिकारी बढ़ोतरी होगी। रक्षा मंत्री अब देश के दुश्मनों को सोचना होगा। सिंह ने कहा कि कहा कि देश की अखंडता के लिए जो खतरा अब उनको चिंता करने की जरूरत है। बता दें कि हरियाणा के अंबाला एयरबेस में बुधवार को राफेल विमान लैंड हुए, जहां उनका वाटर सैल्यूट के साथ ग्रैंड वेलकम किया गया। इस दौरान वायुसेना चीफ आरकेएस भदौरिया भी मौजूद रहे। इससे पहले, जब राफेल विमान के पहले बैच ने भारतीय वायुसीमा में प्रवेश किया तो उनकी सुरक्षा में दो स्30 स्ब्यद्ध विमान आसमान में पहुंच गए थे। फ्रांस से मिलने वाली राफेल विमानों की ये पहले खेप है। इन विमानों ने मंगलवार को फ्रांस से उड़ान भरी थी, जिसके बाद में रुके और बुधवार दोपहर को अंबाला पहुंचे।

राफेल लाने वालों में हरियाणा का पायलट भी शामिल, बसई गांव से रखते हैं संबंध

गुरुग्राम। भारतीय वायुसेना के लिए आज काफी खास दिन होने वाला है. चीन के साथ लद्दाख में विवाद के बीच अंबाला एयरबेस पर आ रहे 5 राफेल फाइटर जेटकी पहली तैनाती अंबाला एयरफोर्स स्टेशन पर होगी। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अंबाला

एयरफोर्स स्टेशन के आसपास के 4 इलाकों में धारा 144 लागू कर दी गई है। वहीं खास बात ये है कि इन विमानों को भारत लाने में हरियाणा के गुरुग्राम का भी एक पायलट शामिल है। गुरुग्राम के बसई गांव का रोहित कटारिया देश के उन चुनिंदा पायलटों में एक हैं जो फ्रांस से अत्याधुनिक लड़ाकू विमान राफेल लेकर भारत आ रहे हैं। रोहित के पिता जी आर्मी से रिटायर्ड कर्नल है। वह फ्रांस जा रॉफेल चलाने की ट्रेनिंग भी ले चुके है। रोहित कटारिया कोडरमा स्थित सैनिक स्कूल तिलैया के छात्र रहे है। बता दे कि ये विमान लगभग 7,000 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद आज दोपहर में अंबाला पहुंचेंगे। एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया अंबाला एयरबेस पर इन विमानों का स्वागत करेंगे। इस बेड़े में तीन सिंगल सीटर और दो डबल सीटर विमान शामिल हैं। इन्हें भारतीय वायुसेना के 17वें स्क्वाड्रन में शामिल किया जाएगा। राफेल जेट का पहला स्क्वाड्रन अंबाला एयरबेस पर, जबकि दूसरा पश्चिम बंगाल के हासिमारा बेस पर रहेगा। अम्बाला में राफेल के आगमन को लेकर तैयारी पूरी है। यहां पर राफेल का आगमन 29 जुलाई को होगा। सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, जबकि एयरफोर्स स्टेशन की सुरक्षा को भी बढ़ा दिया गया है।

पलक झपकते ही गिरी चट्टानें...खिलौने की तरह गिरे पेड़

नेशनल डेस्क। उत्तराखंड में पिछले कई दिनों से हो रही बारिश लोगों के लिए आफत बनती जा रही है। मंगलवार शाम को चमोली जिले के कोडिया में बद्रीनाथ नेशनल हाईवे में भूस्खलन हो गया। चट्टानों के साथ पेड़ खिलौनों की तरह नीचे गिरे। चट्टान गिरने से कई घंटों तक आवाजाही बाधित रही। जिस समय चट्टान गिरी वहां पर लोग मौजूद थे। बद्रीनाथ में भूस्खलन का वीडियो सामने आया है, जिसमें लोग गाड़ियों को बैक करते नजर आ रहे हैं। कई लोग इस मंजर का वीडियो अपने मोबाइल में कैद करते नजर आए। फिलहाल हाईवे से मलबा उठाने का काम जारी है ताकि रास्ता साफ किया जा सके। इससे पहले सोमवार रात करीब 11 बजे भारी बारिश के कारण कुहेड़, भनेरपाणी, टंगड़ी और पागलनाला में हाईवे मलबा और बोल्डर आने से बंद हो गया था।

रिसर्च में खुलासा- प्रदूषण के कारण भारतीयों की जिंदगी 5.2 साल घटी

नेशनल डेस्क। प्रदूषण के कारण भारत में लोगों के जीने के साल कम होते जा रहे हैं, यह खुलासा किया है अमेरिका की एक बड़ी यूनिवर्सिटी ने। वायु प्रदूषण ने भारतीयों की आयु में औसतन 5.2 साल तक की कमी कर दी है और यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुरूप वायु प्रदूषण में कमी लाई जाती है तो दिल्लीवालों की उम्र में 9.4 वर्ष की वृद्धि हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों के अनुसार हवा में महीन कणों के रूप में मौजूद प्रदूषक तत्व 2.5 का स्तर 10 माइक्रोन प्रति घन मीटर से अधिक नहीं होना चाहिए, वहीं 10 का स्तर 20 माइक्रोन प्रति घन मीटर से अधिक नहीं होना चाहिए। भारत में 2018 में 2.5 का औसत स्तर 63 माइक्रोन प्रति घन मीटर था। शिकागो विश्वविद्यालय के एनर्जी पॉलिसी इंस्टिट्यूट द्वारा तैयार की गई नई वायु गुणवत्ता जीवन प्रत्याशा सूची के अनुरूप पूरे भारत में यदि प्रदूषण के स्तर में के मानकों के अनुरूप कमी आती है तो भारतीयों की उम्र में 5.2 साल तक की वृद्धि होगी। रिपोर्ट में कहा गया है, ''समय के साथ महीन कणों से संबंधित प्रदूषण में काफी वृद्धि हुई है। 1998 से महीन कण संबंधी वार्षिक प्रदूषण में 42 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जिससे उन वर्षों में लोगों की आयु में औसतन 1.8 वर्ष की कमी आई। इसमें कहा गया है कि भारत की एक चौथाई आबादी प्रदूषण की ऐसी स्थिति में रह रही है जो किसी अन्य देश में दिखाई नहीं देती। यदि प्रदूषण का स्तर बरकरार रहता है तो उत्तर भारत में 24 करोड़ 80 लाख लोगों की आयु में आठ साल से अधिक की कमी आ सकती है। लखनऊ में देश में प्रदूषण का सर्वाधिक स्तर दिखा जहां ङ्घाह्र के मानकों की तुलना में 11 गुना अधिक प्रदूषण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि लखनऊ में प्रदूषण का यह स्तर बरकरार रहता है तो वहां के लोगों की जीवन प्रत्याशा में 10.3 साल तक की कमी आने का खतरा है। इसमें कहा गया है कि यदि दिल्ली में के मानकों के अनुरूप प्रदूषण में कमी लाई जाती है तो राष्ट्रीय राजधानी के लोगों की उम्र में 9.4 वर्ष की वृद्धि हो सकती है। यदि इस प्रदूषण में भारत के राष्ट्रीय मानक के अनुरूप कमी लाई जाती है ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुशांत की बहन मीतू का भी बयान दर्ज करेगी बिहार पुलिस

पटना (एजेसी)। एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड मामले में अचानक से तेजी आ गई है। मंगलवार शाम को सुशांत सिंह रा. जपूत के पिता ने एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में उन्होंने रिया पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। इसमे ब्लै. कमेलिंग से लेकर मानसिक प्रताड़ना देने तक सबकुछ शामिल है। अब खबर है कि बिहार पुलिस सुशांत मामले में उनकी बहन मीतू सिंह से भी पूछ. ताछ करेगी।पटना के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस मामले में एफआईआर दर्ज होते ही पुलिस ने प्राथमिक जांच शुरू कर दी थी।

खबर के मुताबिक सुशांत सिंह राजपूत की बहन मीतू सिंह का स्टेटमेंट बिहार पु. लिस रिकॉर्ड करने जा रही है। इससे पहले मुंबई पुलिस भी मीतू सिंह से पूछताछ कर चुकी है। मुंबई पुलिस ने मीतू से सुशांत की गतिविधियों से लेकर उनका रिया से रिलेशन संग तक पर सवाल पूछे थे। अब जब रिया चक्रवर्ती के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, तो सुशांत केस में अब बिहार पुलिस भी मीतू सिंह से पूछताछ कर उनका स्टेटमेंट रिकॉर्ड करेगी।

मालूम हो कि सुशांत के सुसाइड के बाद मुंबई पुलिस ने एक्टर के हर करीबी से पूछताछ की थी। फिर चाहे वो उनका कुक हो या फिर कोई करीबी दोस्त। ऐसे में अब जब बिहार पु. लिस भी इस मामले में एक्टिव हो गई है, ऐसे में मीतू सिंह का स्टेटमेंट काफी अहम माना जा रहा है। अब जब सुशांत के पिता ने रिया को लेकर इतने गंभीर आरोप लगा दिए हैं, ऐसे में यह मुमकिन है कि पुलिस इस सिलसिले में मीतू से भी कुछ सवाल पूछे। वहीं रिया चक्रवर्ती की बात करें तो जब से उन पर रिपोर्ट दर्ज की गई है, उनका अभी तक कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है। लेकिन ऐसा बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस अपने वकील के माध्यम से अग्रिम जमानत के लिए कोर्ट में अपील कर सकती हैं।

गया में कोरोना के संदिग्ध अधिकारी की मौत

बेटा बोला. पापा को समय से नहीं दी गई ऑक्सीजन

क्रांति समय सुरत

गया(एजेसी)। गया जिला के डोभी प्रखंड के श्रम पदाधिकारी अनिल कुमार सिंह की एएनएमसीएच में इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्हें गंभीर स्थिति में एक दिन पहले एएनएमसीएच में भर्ती कराया गया था।

उनकी कोरोना की जांच रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है, ले. किन अस्पताल प्रबंध न ने उन्हें कोरोना के संदिग्ध मरीज के रूप में चिन्हित करते हुए कोविड-19 के प्रोटोकॉल के तहत शव को परिजनों को सौंप दिया है। मृतक के बेटे कुशाग्र कुमार ने कहा कि उन्हें समय से ऑक्सीजन नहीं दिया गया, किसी डॉक्टर ने उन्हें देखने तक की जहमत नहीं उठाई जिसकी वजह से उनके पिता को असमय ही अपनी जान गंवानी पड़ी।

गया के एएनएमसीएच में भर्ती मरीजों के इलाज में लगातार लाप. रवाही की शिकायत परिजनों द्वारा की जा रही है। बीते रविवार को शेरघाटी के एक व्यवसायी को अनुमंडलीय अस्पताल से रेफर कर यहां आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया गया था। गंभीर स्थिति होने के बावजूद लगातार 4 घंटे तक उसे देखने के लिए कोई चिकित्सक नहीं आया।

सोमवार को भी एक कोरोना पॉजिटिव मरीज के परिजनों ने अस्पताल में काफी हंगामा किया। क्योंकि उनके मरीज को ढाई घंटे में ही 5 ऑक्सीजन सिलेंडर बदल दिए गए। परिजनों ने आरा. प लगाए कि ऑक्स. जिन सिलेंडर लगाने का काम चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मियों के बजाय चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है, इससे मरीज को नुकसान हो रहा है। अस्पताल अधीक्षक डॉ हरिश्चन्द्र हरि ने बताया कि जो भी मरीज उनके अस्पताल में आ रहे हैं

उनकी हरसंभव बेहतर इलाज की कोशिश की जा रही है। अधीक्षक के मुताबिक अगर कोई परिजन इलाज से असंतुष्ट होकर अपने मरीज को बाहर ले जाना चाहता है तो उसे भी रेफर कर दिया जाता है।

बिहार में 29.62 लाख लोग हुए बाढ़ से प्रभावित

क्रांति समय सुरत

पटना (एजेसी)। बिहार में करीब 29.62 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित हो गए है। वहीं प्रशासन ने अभी तक करीब 2.62 लाख लोगों को सुरक्षित ठिकानों तक पहुंचाया है।

आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि प्रदेश के 12 जिलों सीतामढ़ी, शिवहर, सुपौल, किशनगंज, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, पूर्वी चम्पारण, पश्चिम चंपारण, खगड़िया, सारण और समस्तीपुर जिले के 101 प्रखंडों के 837 पंचायतों के 29 लाख 62 हजार 653 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

इन जिलों से सुरक्षित निकाले गए दो लाख 62 हजार 837 लोगों में से 22,997 लोग 26 राहत शिविरों में शरण लिए हुए हैं।

बाढ़ के कारण विस्थापित लोगों को भोजन कराने के लिए 808 सामुदायिक रसोई की व्यवस्था की गयी है जहां अबतक चार लाख 19 हजार 433 लोगों ने भो. जन किया है। इसके अलावा दरभंगा जिले में सबसे अधिक 14 प्रखंडों के 162 पंचायतों के 11 लाख 74 हजार 320 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

राज्य के बाढ़ प्रभावित जिलों में राहत और बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की कुल 26 टीमें तैनात हैं।

इन जिलों में बाढ़ का कारण अधवारा समूह नदी, लखनदेई, रातो, मरहा, मनुसमारा, बागमती, अधवारा समूह, कमला बलान, गंडक, बूढ़ी गंडक, कदाने, नून, वाया, सिकरहना, लालबेकिया, तिलावे, धनौती, मसान, कोसी, गंगा और करेह नदियों का जल. स्तर बढ़ना है। जल संसाधन विभाग ने कहा कि बागमती नदी सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर एवं दरभंगा में, बूढ़ी गंडक नदी मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर एवं खगड़िया में, कमला बलान नदी मधुबनी में, गंगा नदी भाग. लपुर में, अधवारा नदी सीतामढ़ी में, खिरोई दरभंगा में और मह. ानंदा नदी किशनगंज एवं पूर्णिया में मंग. लवार को खतरे के निशान से उपर बह रही थी।

इसबीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्य सचिव दीपक कुमार के साथ बाढ़ की अद्यतन स्थिति की समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया कि आवश्यकतानुसार सामुदायिक रसोई और राहत शिविरों की संख्या बढ़ायी जाय और वहां दो गज की दूरी का पालन सुनिश्चित किया जाए।

पूर्व महिला विधायक समेत पांच दिन की बच्ची ने जीती कोरोना से जंग

क्रांति समय सुरत

पटना(एजेसी)। बिहार में कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच पटना के एम्स में भर्ती 47 मरीजों ने कोरोना से जंग जीतने में सफलता हासिल की है। सभी को स्वस्थ होने के बाद अस्पताल ने छुट्टी दे दी। ठीक होने वालों में पांच दिन की बच्ची तीन डाक्टर तथा एक पूर्व महिला विधायक भी शामिल हैं। जलालपुर की पांच दिन की बच्ची जो पैदा होने के साथ पाजिटिव हुई थी उसकी रिपोर्ट भी निगेटिव आने के बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया।

प्रदेश महिला आयोग की सदस्य पूर्व विधायक उषा विद्यार्थी भी ठीक हो. कर घर चली गईं।

इस बीच 38 नए संक्रमित भर्ती हुए जिनमें बीपीएससी के सदस्य, जमुई के एसडीओ लखींद्र पा. सवान भी शामिल हैं। जमुई एसडीओ ड्यूटी के दौरान जमुई में संक्रमित हुए थे। नए संक्रमितों में पटना जिले के 24 मरीज हैं। पटना एम्स में

पटना एम्स से 47 मरीजों को छुट्टी, 38 नए संक्रमित लोग हुए भर्ती

दानापुर के दो, जक. कनपुर के दो, बां. कीपुर, कुरथौल परसा, शिवपुरी पटेल नगर, आनंदपुरी, जकरियापुर आरके नगर, कि. दवईपुरी, रूपसपुर, नासरीगंज, एसके नगर, राघोपुर बिहटा, शेखपुरा, खाजपुरा, मालसलामी, एकता नगर फुलवारीशरीफ, पाटलीपुत्र कालोनी, बल्लमीचक, रामजी. चक, शाहदली चक, शिवपुरी के एक-एक मरीज इलाज के लिए भर्ती हैं। इसके अलावा सारण के 4, भोजपुर के 3, मुजफ्फरपुर के 3 कुल 38 नए मरीजों को एम्स में भर्ती किया गया है। एम्स के नोडल अफसर डा. संजीव कुमार ने बताया कि 2 मरीजों की मौत हुई है। पटना एम्स में फिलहाल 307 मरीजों का इलाज चल रहा है।

केंद्रीय मंत्री पासवान को मिली एके-47 से उड़ाने की धमकी, एफआईआर दर्ज

क्रांति समय सुरत

शेखपुरा (एजेसी)। केंद्रीय मंत्री राम. विलास पासवान को जान से मारने की ध. मकी मिली है। उन्हें यह धमकी बिहार के शेखपुरा जिले के नगर परिषद वार्ड 10 के पार्षद संजय यादव ने दी है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में संजय यादव केंद्रीय मंत्री को एके-47 से उड़ा देने की धमकी दे रहा है।

लोगों के राशन कार्ड न बनने से उग्र हुए पार्षद ने गलती के लिए मांगी माफी

वीडियो में चिराग और रामविलास पासवान को गाली भी दे रहा है। पार्षद गरीबों का राशन कार्ड न बनने को लेकर खूब भला बुरा कह रहा है। वीडियो देखने के बाद लोजपा के जिलाध्यक्ष इमाम गजाली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसपर आपत्ति दर्ज की और पुलिस प्रशासन से पार्षद को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की।

इसी बीच एक लोजपा कार्यकर्ता ने इस मामले में अनुस. ूचित जाति थाना में एससी/एसटी एक्ट के आधार पर केस भी दर्ज करवा दिया है। मामले को आगे बढ़ता देख धमकी देने वाला पार्षद संजय यादव भी मीडिया के सामने आया। पहले तो उसने अपनी गलती के लिये माफी मांगी फिर अपनी सफाई में कहा कि वार्ड के सैकड़ों लोगों का राशन कार्ड बनवाने को लेकर उन्होंने आव. ेदन करवाया, लेकिन सबका आवेदन बिना कोई कारण बताए निरस्त कर दिया गया। इस बात वार्ड की जनता ने मुझे खूब भला बुरा कहा। इसी से नाराज हो. कर जनता के सामने ही मेरे मुंह से गुस्से में ये बात. निकल गईं। मेरे मन में रामविलास पासवान और चिराग पासवान के प्रति इज्जत है और मैं लोजपा का कर्मठ कार्यकर्ता हूं।

सार-समाचार

स्वतंत्रता दिवस पर नहीं होगी आमजनों की भीड़

पटना (एजेसी)। कोरोना वायरस का असर स्वतंत्रता दिवस पर भी दिखने लगा है। इस बार बिहार में स्वतंत्रता दिवस के दिन ध्वजारोहण तो किया जाएगा। लेकिन, इस इस दौरान मैदान में ना तो आमजनों की भीड़ होगी और न ही झांकियां निकाली जाएंगी। कार्यक्रम में आर्मी, एसएसबी, सीआपीएफ जवानों का परेड होगा लेकिन एनसीसी और स्काउट की टुकड़ी परेड में शामिल नहीं होगी। बता दें कि पटना में होने वाले इस भव्य समारोह में हर साल दूसरे राज्यों के पुलिस बलों को आमंत्रण दिया जाता रहा है पर इस साल किसी को भी आमंत्रण नहीं दिया जाएगा। कैबिनेट विभाग के विशेष सचिव मिथलेश कुमार ने सभी विभागों के प्रधान सचिव, प्रमंडलीय आयुक्त, और जिलाधिकारियों को एडवाइजरी जारी किया है। कोरोना की स्थिति को देखते हुए कहा गया कि पहले जितने भी लोगों को आमंत्रण दिया जाता था उसके एक चौथाई या छठे भाग के लोगों को ही बुलाया जाएगा। इस कार्यक्रम में सिर्फ वीवीआईपी और प्रशासन के बड़े अधिकारी ही शामिल होंगे। सभी को ई-कार्ड के जरिये शामिल होने का आमंत्रण दिया जाएगा। गांधी मैदान में प्रवेश से पहले सभी की थर्मल स्क्रीनिंग की जाएगी। कोरोना को देखते हुए 15 अगस्त के कार्यक्रम में आमजनों को प्रवेश की इजाजत नहीं होगी। हालांकि इसके लिए फेसबुक लाइव, वेबकास्ट किया जाएगा ताकि लोग घरों से सुरक्षित ही झंडोतोलन का कार्यक्रम देख सकें। बता दें कि बिहार में कोरोना वायरस के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इस कारण फिलहाल 31 जुलाई तक लॉकडाउन लगाया गया है।

थाना कैंपस से चोरो उड़ा ले गई सर्विस पिस्टल

अररिया (एजेसी)। बिहार के अररिया में चोरों ने दरोगा जी की सरकारी पिस्टल उड़ा ले गए। इस संबंध में बताया जा रहा है कि चोरों ने वर्ष 2011 बैच के दरोगा विमल मंडल की सरकारी पिस्टल ही चुरा ली। इसके बाद जब फारबिसगंज थाना में पदस्थापित दरोगा विमल मंडल जब सो कर उठे तो उनके घर का दरवाजा खुला था और उनकी सरकारी पिस्टल गायब थी, ये पिस्टल मैगजीन से लोड थी। इसकी सूचना मिलने पर फारबिसगंज एसडीपीओ मनोज कुमार भी मौके पर पहुंचे और खुद घटना की छानबीन में जुटे हैं। फारबिसगंज थाना के पीछे पुलिस का सरकारी क्वार्टर है जहां दरोगा विमल मंडल के साथ थानाध्यक्ष भी रहते हैं। इस घटना के बाद से पुलिस डिपार्टमेंट में हड़कंप मचा हुआ है। फारबिसगंज एसडीपीओ मनोज कुमार ने बताया कि पिस्टल की बरामदगी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी भी कर रही है। दूसरी तरफ फारबिसगंज शहर के लोगों में चर्चा है कि जब पुलिस वाले की ही पिस्टल चोरी हो रही है तो शहर में अन्य चोरी की घटनाओं को भला कैसे रोका जा सकेगा।

कमरे में सो रहे युवक की आंखें फोड़ी और काट डाला गला

कैमूर(एजेसी)। बिहार के कैमूर में अपने घर में सोए एक युवक की अपराधियों ने गला काट कर हत्या कर दी। मामला नुआंव थाना के नुआंव बाजार का है। जानकारी के मुताबिक सूरज गुप्ता रात को खाना खाकर अपने कमरे में सोया हुआ था, तभी घर में घुसकर अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया। सुबह सूरज के पिता जब उनके रूम में गए तो देखा सूरज का गला काटा हुआ था, आंखे फोड़ दी गई थीं। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया कर मामले की जांच में जुटी है।

मृतक की मां और बड़ी बहन का कहना है कि सूरज रात को खाना खाकर सोने चला गया था।

बेटे को जगाने गए पिता क्षत-विक्षत लाश देखकर हुए बेहोश

जब सुबह सूरज के पिता उसे जगाने के लिए उसके कमरे में गए तो वारदात का पता चला। कमरे की स्थिति देख कर पिता बेहोश हो गए। डीएसपी मोहनियां रघुनाथ सिंह का कहना है कि पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है।

सूरज के हत्या का कारण क्या है और किसने सूरज की हत्या की, इसके बारे में जल्द खुलासा कर अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा शासकों की लापरवाही से सूरत वुहान बना : अमित चावड़ा

क्रांति समय सुरत

सूरत ,गुजरात में कोरोना संक्रमितों की संख्या में लगातार हो रही वृद्धि के लिए कांग्रेस ने भाजपा शासकों को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासकों की अक्षमता की वजह से सूरत शंघाई तो नहीं बना लेकिन वुहान जरूर बन गया हैं।

सूरत पहुंचे गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा ने सि. विल अस्पताल और स्मिमेर अस्पताल का दौरा किया

और डॉक्टरों और मेडिकल डीन से बातचीत की। चावड़ा ने कहा कि मरीजों को दिए जाने वाले इंजेक्शनों की कालाबा. जारी हो रही है। सरकारी अस्पताल और महानगर पालि. का संचालित अस्पताल का स्टाफ अपनी जिं. दगी दांव पर लगाकर लोगों की सेवा कर रहा है, ऐसे में उन्हें प्रोत्साहित करने की

जरूरत है।

उन्होंने कहा कि शहर के सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सक नहीं होने की वजह से मरीजों को उचित उपचार नहीं मिल रहा।

नतीजतन लोग निजी अस्पताल में महंगा इलाज होने के बावजूद वहां जाने को मजबूर हैं। महानगर पालिका को अतिरिक्त फंड महामारी में खर्च करना चाहिए, उसका वह उपयोग नहीं कर रही। अमित चावड़ा ने आरोप लगाया कि पहले से टेस्टिंग कम कर मरीजों की संख्या कम बताई जा रही है।

कोरोना से मरने वालों के आंकड़े भी छिपाए जा रहे हैं। भ. ाजपा सरकार कोरोना पर काबू पाने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है।

गुजरात भाजपा के नए प्रमुख सीआर पाटील की रैली को लेकर अमित चावड़ा ने कहा कि भाजपा केवल नौटंकियों में व्यस्त है।

काम करने के बजाए संक्रमण फैले ऐसे काम कर रही है।

4.76 करोड की पुरानी नोटों के साथ 2 गिरफ्तार, 1 फरार

क्रांति समय सुरत

गोधरा , पंचमहाल एसओजी व गुजरात एटीएस की टीम ने गोधरा में से 4.76 करोड की पुरानी नोटों

के साथ दो शख्सों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक शख्स फरार है।

पुलिस ने 500 व 1000 की पुराने नोट कब्जे में लेकर जांच शुरु की है।

गुजरात एटीएस के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पंचमहाल के एसपी के मार्गदर्शन के तहत एसओजी पीआई व उनकी टीम ने

गोधरा में फारूक इशाक छोटा की दुकान के पास एक कार में छापेमारी की।

जापे के दौरान पु. लिस ने गाडी व फारूक के साथी सुलेमान हयान व उसके पुत्र जुबेन इद्रीश हयात के निवासस्थान में जांच की।

जांच के दौरान पुलिस को बडी मात्रा में पुरानी नोटों का जत्था बरामद किया।

पुलिस ने देर रात्रि को 500 व 1000 की पुरानी नोट यानि की कुल 4.76 करोड रुपए कब्जे में ले लिए। पुलिस ने घटनास्थल से दो आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जबकि एक आरोपी फरार है।

एटीएस की टीम ने दोनों आरोपी की पूछपाछ शुरु कर दी है, जबकि अन्य फरार आरोपी की खोजबीन शुरु की है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की केन्द्र सरकार ने 8 मार्च 2016 को नो. टबंदी लागू कर 500 व 1000 रुपए की नोट तत्काल असर से बंद कर दी थी। इतने सालों बाद इतनी बड़ी मात्रा में 500 व 1000 रुपए की नोटें मिलने पर पुलिस ने जांच शुरु की है।

कर्णावती एक्सप्रेस के 2 कोच अलग हुए, दुर्घटना टली

क्रांति समय सुरत

बड़ौदा , बुधवार तड़के अहमदाबाद से मुंबई की ओर जाने वाली कर्णावती एक्सप्रेस (02934) के 2 कोच बड़ोदरा के पास सुबह 6:50 बजे कपिलिंग टूट जाने से ट्रेन से अलग हो गए। जिससे यात्रियों में खलबली मच गई। यह घटना बड़ोदरा के पास हुई। जब ट्रेन सुबह करीब 04:55 बजे अहमदाबाद से रवाना हुई।

विश्वामित्र रेलवे स्टेशन को पार करने के बाद कपलिंग टूट जाने से दो डिब्बे अलग हो गए। रेलवे अधिकारियों के के अनुसार जांच की जा रही है कि यह कोच किस तरह से अलग हुए। बहरहाल यात्रियों को इस दुर्घटना में कोई चोट नहीं पहुंची। बाद में रेलवे स्टाफ ने दोनों कोच को ट्रेन से जोड़ा, और ट्रेन आगे रवाना हुई।

कोरोना का कहर जारी रहा तो नवरात्रि कार्यक्रमों को मंजूरी नहीं : मुख्यमंत्री

क्रांति समय सुरत

राजकोट, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज स्पष्ट किया कि आगामी दिनों में भी यदि कोरोना का कहर जारी रहा तो नवरात्रि कार्यक्रमों के आयोजन को मंजूरी नहीं दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि कोरोना की स्थिति को देखते हुए।

सौराष्ट्र में सावन महीने में होनेवाले सभी मेला और जन्माष्टमी के आयोजन रद्द कर दिए गए हैं। कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए राजकोट में जन्माष्टमी से होनेवाले पांच दिन के मेले को भी रद्द कर दिया गया है।

साथ ही जन्माष्टमी के सार्वजनिक कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। तरणेतर में होनेवाला मेला भी रद्द कर दिया गया है।

उन्होंने सप्तमी-अष्टमी और बकरीद तक अपील की है कि वे कोई सार्व. जनिक कार्यक्रम का आयोजन न करें। नव. रात्रि के आड़े अभी काफी समय है और उस वक्त कोरोना की स्थिति को देखते हुए मंजूरी पर सरकार विचार करेगीद्य उन्होंने कहा कि फिलहाल किसी भी समारोह को मंजूरी नहीं दी जा रही है।

गुजरात ने विकसित की क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों का सामना करने की क्षमताः मुख्यमंत्री

रूपाणी ने ब्रिटेन के दक्षिण एशिया एवं राष्ट्रमंडल मामलों से जुड़े विदेश राज्य मंत्री के साथ की वर्चुअल वीडियो बैठक

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने मंग. लवार को ब्रिटेन के दक्षिण एशिया एवं राष्ट्रमंडल मामलों से जुड़े विदेश राज्य मंत्री लॉर्ड ता. रिक अहमद के साथ गांधीनगर से वर्चुअल वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक की।

लॉर्ड तारिक अहमद ने कोरोना वायरस की

मौजूदा स्थिति में गुजरात में रहने वाले तथा अध्ययन के लिए यहां बसे युवाओं सहित ज्यादातर नागरिकों को सुरक्षित वापस ब्रिटेन भेजने में गुजरात सरक. ार की मदद के लिए मुख्यमंत्री का हृदय से आभार जताया। मुख्यमंत्री के साथ वीडियो संवाद के जरिए वर्चुअल बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि मैन्युफेक्चरिंग हब, इंडस्ट्रियल हब और निवेश के श्रेष्ठ गंतव्य के रूप में गुजरात ने विश्वस्तर पर जो ख्याति हासिल की है उससे वे प्रभावित हुए हैं। मुख्यमंत्री विजय रूपाण ी ने उन्हें जानकारी दी कि गुजरात ने सोलर एनर्जी के हब के रूप में पूरे देश में सर्वाधि ाक सोलर रूफटॉप वाले राज्य की उपलब्धि प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि विशेषकर पर्यावरण अनुकूल स्वच्छ ऊर्जा के विनियोग की पहल करते हुए गुजरात ने इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को प्रधानता दी है।

और सार्वजनिक परिवहन सेवा में भी अब उसका उपयोग हो रहा है। वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) के जिन सामुदायिक प्रयोगों में गुजरात ने सफलता अर्जित की है, उससे भी मुख्यमंत्री ने ब्रिटेन के विदेश राज्य मंत्री को अवगत कराया। तारिक अहमद के साथ चर्चा में मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में आगामी दिनों में 30 हजार मे. गावाट की क्षमता वाला सोलर-विंड हाइब्रिड पार्क स्थापित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों का सामना करने तथा

वाइब्रेंट समिट की सफल श्रृंखला के जरिए गुजरात को ग्लोबल इंडस्ट्रियल हब बनाने के सफल आयामों के संबंध में भी मुख्यमंत्री ने जानकारी दी। उन्हा. ेंने कहा कि राजधानी गांधीनगर में गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) के जरिए दुनिया भर के वित्तीय सेवा क्षेत्र के प्रतिष्ठित समूहा. ें को वैश्विक व्यापार का अवसर उपलब्ध हुआ है।

ब्रिटेन के राज्य मंत्री लॉर्ड तारिक ने गुजरात की इस वैश्विक विक. ास यात्रा में सहभागी बनने और गुजरात के साथ ब्रिटेन के आर्थिक, व्यापारिक एवं औद्योगिक संबंधों के सेतु को अधि ाक सुदृढ बनाने की तत्परता व्यक्त की। ता. रिक ने ब्रिटेन की सर्विस सेक्टर इंडस्ट्रीज और वित्तीय क्षेत्र की संस्थ. ाओं की गुजरात की गिफ्ट सिटी में निवेश और कारोबार को लेकर आतुरता के परिप्रेक्ष्य में भारत, गुजरात और ब्रिटेन के बीच एक ठोस कार्ययोजना की हिमायत की।

उन्होंने वाइब्रेंट समिट-2021 में ब्रिटेन के सक्रिय सहयोग के साथ बड़े प्रतिनिधिमंडल और उद्योगपतियों की सहभागिता का भरोसा दिलाया। गुजरात के इस सर्वांगीण विकास से प्रभावित लॉर्ड तारिक ने कहा कि उनके भ. ारत दौरे के दौरान वे गुजरात अवश्य आएंगे। उन्होंने भी मुख्यमंत्री को ब्रिटेन दौरे के लिए आमंत्रण देने के साथ गुजरात में क्लाइमेट चेंज और सौर ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में साथ मिलकर काम करने की मंशा व्यक्त की। मुख्यमंत्री के साथ इस वर्चुअल बैठक के बाद उद्योग विभाग सह मुख्यमंत्री के प्रध ाान सचिव प्रधान सचिव मनोज कुमार दास ने यूके इंडिया बिजनेस का. उंसिल के लगभग 40 अग्रणी प्रतिनिधियों तथा भारत के अन्य प्रतिष्ठित उद्यमियों एवं निवेशकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक की। यूके इंडिया बिजनेस काउंसिल के ये प्रतिनिधि कोरोना संक्रमण की वैश्विक महामारी के बीच भी गुजरात में बरकरार उद्योग-व्यापार की गति और उत्पादन प्रक्रिया व रोजगार की रफ्तार की जानकारी प्राप्त कर अत्यंत प्रभावित हुए। आपदा को अवसर में बदलने की गुजरात की क्षमता की प्रशंसा करते हुए बैठक में शामिल काउंसिल के अधिकतर सदस्यों ने आने वाले दिनों में गुजरात में निवेश के लिए उत्सुकता व्यक्त की। इंडेक्स्ट-सी की प्रबंध निदेशक नीलम रानी ने गुजरात में उद्योगों को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत सरलीकरण तथा आत्म. निर्भर गुजरात पैकेज के अंतर्गत दिए जा रहे

प्रोत्साहन एवं सहायताओं के संबंध में प्रेजेंटेशन दिया। मुख्यमंत्री की ब्रिटेन के राज्य मंत्री लॉर्ड तारिक अहमद के साथ हुई इस वर्चुअल मीटिंग में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, शहरी विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मुकेश पुरी, मुख्यमंत्री सह उद्योग विभाग के प्रधान सचिव एम.के. दास, गिफ्ट सिटी के प्रबंध निदेशक तपन रे और क्लाइमेट चेंज विभाग के प्रधान सचिव एस.जे. हैदर भी जुड़े थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)